twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 26 जून, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 220, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय: केंद्र

इमरजेंसी को लेकर कैबिनेट बैठक में रखा गया दो मिनट का मौन

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दो मिनट का मौन रखा और भारत के लोकतंत्र में विश्वास की पुष्टि की। मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव में सभी नागरिकों से संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक भावना के रक्षकों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में कैबिनेट में पारित निर्णयों और प्रस्ताव की जानकारी दी। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर कैबिनेट के प्रस्ताव को पढ़ा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संविधान की हत्या के प्रयास को असफल करने वाले योद्धाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संविधान पर यह प्रहार 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और सम्पूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था। बैठक में गणतंत्र के वीरों के अद्वितीय साहस और बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि के लिए 2 मिनट मौन रखा गया। श्रद्धांजलि उन्हें भी समर्पित थी जिनके संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। वर्ष 2025 संविधान हत्या दिवस की 50वीं वर्षगांठ है। यह भारतीय इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय था। आपातकाल में संविधान को कुचलने, भारत की लोकतांत्रिक भावना पर हमला करने और संघवाद को नष्ट करने का काम किया गया। मौलिक अधिकार, मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा को भी खत्म किया गया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ युवाओं को भी इन लोकतंत्र सेनानियों से सीखने का आह्वान किया। इन वीरों ने तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध किया और हमारे संविधान एवं लोकतांत्रिक भावना की दृढता से रक्षा की। लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण, सुरक्षा और रक्षा का मूर्तरूप है।

हमें एक राष्ट्र के रूप में अपने संविधान और उसकी लोकतांत्रिक एवं संघीय भावना को बनाए रखने के संकल्प को और मजबूत करना चाहिए।

कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान का गला घोंटा: रविशंकर

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को मुंबई में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के दौरान संविधान का गला घोंट दिया था। सांसद प्रसाद ने कहा कि क्या कांग्रेस पार्टी इसके लिए देश की जनता से माफी मांगेगी। सांसद रविशंकर प्रसाद आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भाजपा के मुंबई स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। सांसद प्रसाद ने कहा कि आपातकाल के दौरान देश भर में डेढ़ लाख लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जनसंघ और समाजवादी पार्टी जैसे प्रमुख विपक्षी दलों के सभी नेताओं को गिरफ्तार किया गया था।

'आपातकाल के खिलाफ लड़ने वाले हर व्यक्ति को सलाम'

नई दिल्ली/एजेंसी
देश में साल 1975 में थोपे गए आपातकाल की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'संविधान हत्या दिवस' पर इस काले कालखंड की लड़ाई में शामिल हर योद्धा को सलाम किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा " हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करें।" प्रधानमंत्री मोदी ने 'संविधान हत्या दिवस' के संबंध में एक्स पर कई पोस्ट किए हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, " हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं! ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया।

कांग्रेस की तानाशाही सरकार ने आपातकाल थोप दिया था: नड्डा

नई दिल्ली/एजेंसी
आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज संविधान हत्या दिवस मना रही है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि 25 जून, 1975 की आधी रात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोपा। देश के संविधान की हत्या कर दी। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। उसकी नीयत आज भी तानाशाही वाली है। उन्होंने कहा कि 1975 में कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। रातों-रात प्रेस की बिजली काटी गई, सारे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया, प्रेस से आजादी छीन ली गई, अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया। संसद, न्यायपालिका को अपंग बना दिया गया और 26 जून की सुबह देश पर कांग्रेस की तानाशाही सरकार ने आपातकाल थोप दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में कानून व्यवस्था का हाल आज भी वही है, जो आपातकाल में था- विरोध का दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिखता है।

महाराष्ट्र और कोलकाता में स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई/एजेंसी
कोलकाता के दो प्रमुख स्कूलों को बुधवार को ईमेल के जरिये बम की धमकी मिली। इसके बाद अधिकारियों ने छुट्टी घोषित कर दी और छात्रों को घर भेज दिया। पुलिस ने स्कूल परिसर की गहन तलाशी ली और धमकियों को फर्जी बताया। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक निजी स्कूल को बुधवार सुबह एक ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। हालांकि, जांच के बाद ये धमकी फर्जी निकली। अधिकारियों ने बताया कि शहर के दक्षिणी हिस्से के आनंदपुर इलाके में स्थित कलकत्ता इंटरनेशनल स्कूल और तालटोला स्थित कलकत्ता बॉयज स्कूल को ईमेल मिले थे, जिसमें दावा किया गया था कि कक्षाओं के बीच दोपहर में बम फटेंगे। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, आनंदपुर पुलिस स्टेशन की एक टीम कलकत्ता इंटरनेशनल स्कूल और तलतला की एक अन्य टीम कलकत्ता बॉयज स्कूल पहुंची।

बम निरोधक दस्ते ने की जांच
खोजी कुत्तों और बम निरोधक दस्ते के कर्मियों ने दोनों परिसरों और उनके आसपास के इलाकों की गहन तलाशी ली। वहां कोई भी धमकी वाली चीज नहीं मिली। यह एक धोखा था। दोनों शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों ने धमकी मिलने के बाद लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय को सूचित किया था। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिक जानकारी के लिए ईमेल के आईपी एड्रेस की जांच की जा रही है।

सराफा बाजार में 1,470 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी नरमी

नई दिल्ली/एजेंसी
घरेलू सर्राफा बाजार में सोना बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। सोने के भाव में आज 1,350 रुपये से लेकर 1,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह चांदी भी आज एक हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक लाख रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क कर 99,210 रुपये से लेकर 99,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

अंतरिक्ष पहुंचकर एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले- व्हाट ए राइड: कहा- कंधे का तिरंगा देश से जोड़े हुए है; लॉन्चिंग सफल होने पर भावुक हुए माता-पिता।

आपातकाल ने संविधान की आत्मा को कुचला था: शाह

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को 'संविधान हत्या दिवस' पर कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था, जिसे देश को हमेशा याद रखना चाहिए ताकि वह त्रासदी दोबारा न दोहराई जाए। अमित शाह देश में आपातकाल लागू होने के 50 वर्ष पूरे होने पर दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि 25 जून 1975 की रात लगाए गए आपातकाल ने संविधान की आत्मा को कुचलने का काम किया था। देश को एक जेलखाना बना दिया गया था, न्यायपालिका को मौन कर दिया गया था और प्रेस की कलम से स्याही छीन ली गई थी। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखित पुस्तक 'द इमरजेंसी डायरीज: ईयर दैट फोर्ज्ड आवर लीडर्स' का विमोचन भी किया गया। शाह ने बताया कि यह पुस्तक नरेन्द्र मोदी के आपातकाल के दौरान एक 24-25 वर्षीय युवा संघ प्रचारक के रूप में भूमिगत संघर्ष, मीसा बंदियों की मदद और गुप्त समाचार पत्रों के वितरण जैसे प्रयासों को दशार्ती है। प्रधानमंत्री मोदी ने साधु, सरदारजी, हिप्पी, अगरबत्ती या अखबार विक्रेता के रूप में जमीन पर काम किया। उन्होंने युवाओं से इस पुस्तक को अवश्य पढ़ने की अपील की। अमित शाह ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस की सत्ता ने एक विचार स्थापित करने की कोशिश की थी- राष्ट्र से बड़ी पार्टी, पार्टी से बड़ा परिवार और परिवार से बड़ा व्यक्ति।

आगरा में खुलेगा सीआईपी का दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र: शिवराज

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के सिंगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की मंजूरी को महत्वपूर्ण कदम बताया है। दिल्ली में बुधवार को मीडिया से बातचीत में शिवराज सिंह ने कहा कि गेहूं और चावल के बाद उपभोग के लिहाज से आलू का स्थान तीसरे नंबर पर आता है। चीन के बाद भारत आलू उत्पादन में तीसरे नंबर पर हैं। आलू प्रमुख फसल भी है एवं खाद्य सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद जरूरी है लेकिन भारत में मुख्यतः आलू की टेबल वेरायटी का उत्पादन होता है, जबकि निर्यात बाजार में प्रोसेस करने योग्य किस्मों की मांग होती है। इसमें जर्म प्लाज्म का भंडार होगा, जिसका उपयोग कर-के अधिक उत्पादकता वाले बीज तैयार किए जाएंगे। केंद्र सरकार द्वारा ऐसी नई किस्मों के प्रजनन का कार्य किया जाएगा जो जलवायु अनुकूल हों और गर्मी, रोगों तथा कीटों के प्रतिरोधी क्षमता से परिपूर्ण हों। इस केंद्र के माध्यम से बायोफार्टिफाइड किस्मों के विकास पर भी बल दिया जाएगा।

ऐसी वेरायटी बनाने पर भी जोर होगा, जिसे मुधमेह के मरीज भी खा सकें। शिवराज सिंह ने कहा कि वर्तमान में आलू का अधिकांश उत्पादन उत्तर भारतीय राज्यों में होता है और विंध्य पर्वत श्रृंखला के दक्षिण में उत्पादन बहुत कम है, इसलिए इस केंद्र के माध्यम से विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार उपयुक्त आलू की किस्मों के विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा।

कानूनी पेशा न्याय की प्रक्रिया का अभिन्न अंग: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी
सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि ऐसी व्यवस्था जिसमें पुलिस या जांच एजेंसियां वकीलों को सीधे समन भेज सकती हैं, वह कानूनी पेशे की स्वतंत्रता को कमजोर करती है और न्याय व्यवस्था की आजादी के लिए एक 'सीधा खतरा' है। जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और एन. कोटिस्वर सिंह की बेंच ने कहा कि कानूनी पेशा न्याय की प्रक्रिया का अभिन्न अंग होता है। पीठ ने कहा, जब पुलिस या जांच एजेंसियां सीधे सलाह देने वाले वादी या वकील को समन भेजेगी तो यह कानूनी पेशे की स्वायत्तता को गंभीर रूप से प्रभावित करेग और इससे न्याय प्रणाली की आजादी के लिए सीधे खतरा पैदा होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कुछ अहम सवाल भी उठाए। बेंच ने पूछा, कुछ अहम सवाल विचार के लिए सामने आते हैं, जैसे (1) जब कोई व्यक्ति किसी मामले से केवल वकील के तौर पर जुड़ा हो और केवल सलाह दे रहा हो, तो क्या जांच एजेंसी, अभियोजन पक्ष या पुलिस उस वकील को सीधे पूछताछ के लिए समन कर सकती है? बेंच ने दूसरा सवाल पूछा, मान लेते हैं कि जांच एजेंसी, अभियोजन पक्ष या पुलिस के पास ऐसा मामला है, जिसमें किसी व्यक्ति की भूमिका केवल वकील की न होकर कुछ और भी हो तो क्या ऐसे मामलों में उन्हें सीधे समन भेजने की इजाजत होनी चाहिए या फिर इन विशेष परिस्थितियों में न्यायिक निगरानी अनिवार्य की जानी चाहिए? बेंच ने आगे कहा, इन दोनों बिंदुओं के अलावा अन्य मुद्दे भी उठ सकते हैं और उन्हें व्यापक रूप से सुलझाना जरूरी है। कोर्ट ने कहा, न्याय प्रणाली का असर और वकीलों की क्षमता दांव पर लगी है कि वे ईमानदारी से और सबसे अहम बात बिना किसी डर के अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

फीस का भुगतान करने के बावजूद प्रवेश से वंचित अभ्यर्थी को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

नई दिल्ली/एजेंसी
सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी 2024 के एक सफल उम्मीदवार को राहत दी है। जस्टिस केवी विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने संबंधित मेडिकल कॉलेज को निर्देश दिया कि वो याचिकाकर्ता को कल यानि 26 जून से शुरू होने वाले क्लास में बैठने की अनुमति दे। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता का काउंसलिंग हो चुका था और उसने दाखिले के लिए 27 लाख रुपये की फीस भी तय समय पर जमा किया था। दरअसल अभ्यर्थी को 20 मार्च तक कॉलेज में रिपोर्ट करना था लेकिन उसने 27 मार्च को रिपोर्ट किया। याचिका में कहा गया था कि इस देरी की वजह ये थी कि कॉलेज कुछ दूसरी फीस मांग रही थी। याचिकाकर्ता को हल्दिया स्थित आईसीएआरई इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सायंस एंड रिसर्च में दाखिला मिला था।

सीबीएसई 2026 से 10वीं में दो बोर्ड परीक्षाएं लेगा, पहला चरण अनिवार्य

दूसरा होगा वैकल्पिक

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026 से कक्षा 10वीं में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने की घोषणा की है। पहली बोर्ड परीक्षा फरवरी में आयोजित की जाएगी और सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगी, जबकि मई माह में होने वाली दूसरी बोर्ड परीक्षा उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगी जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने बुधवार को बताया कि यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिशों के अनुरूप लिया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम करना और उन्हें सुधार का अवसर देना है। इस नई व्यवस्था से परीक्षा की ह्यहाई स्टेक्सह्व प्रकृति को कम किया जाएगा और छात्रों को अधिक लचीलापन मिलेगा। बोर्ड ने यह निर्णय व्यापक विचार-विमर्श और हितधारकों की राय के बाद लिया है। नई योजना के तहत पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगी, जबकि दूसरी परीक्षा इच्छुक छात्रों के लिए सुधार का अवसर प्रदान करेगी। छात्र विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में प्रदर्शन सुधारने के लिए दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। हालांकि, अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में तीन या अधिक विषयों में शामिल नहीं होता है, तो उसे दूसरी परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे छात्रों को आवश्यक पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा और उसे अगले साल फरवरी में दोबारा परीक्षा देनी होगी। खेल में हिस्सा लेने वाले छात्र, जिनकी परीक्षाएं खेल आयोजनों से टकराती हैं, उन्हें दूसरी परीक्षा में बैठने की सुविधा मिलेगी। वहीं, सर्दी-प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों के छात्र पहली या दूसरी परीक्षा का विकल्प चुन सकते हैं। सीडब्ल्यूएसएन (दिव्यांग) छात्रों को दोनों परीक्षाओं में विशेष सुविधाएं जारी रहेंगी। पहली बोर्ड परीक्षा फरवरी के मध्य में और दूसरी मई में आयोजित की जाएगी। दोनों परीक्षाएं पूरे सत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी। हालांकि, आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार मुख्य परीक्षा से पहले किया जाएगा। प्रथम परीक्षा का परिणाम अप्रैल में तथा द्वितीय परीक्षा का परिणाम जून में घोषित किया जाएगा। योग्यता प्रमाण पत्र और अंतिम उत्तीर्णता दस्तावेज केवल दूसरी परीक्षा के बाद ही जारी किए जाएंगे।

प्रथम परीक्षा के आधार पर डिजीलॉकर से डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त कर छात्र 11वीं में अनंतिम रूप से प्रवेश ले सकेंगे। यदि छात्र द्वितीय परीक्षा में प्रदर्शन सुधारते हैं, तो उसी के आधार पर अंतिम प्रवेश मान्य होगा। पहली परीक्षा में नए छात्र, कंपार्टमेंट, पुनरावृत्ति और सुधार के उम्मीदवार बैठ सकेंगे। दूसरी परीक्षा में केवल उन्हीं छात्रों को अनुमति होगी जिन्होंने पहली परीक्षा दी हो और तीन विषयों तक सुधार या कंपार्टमेंट में शामिल होना चाहते हों।

भारतीय नौसेना फॉर्म में आती, तो पाकिस्तान के चार टुकड़े हो जाते : राजनाथ सिंह

अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1971 इसका गवाह है, कि जब भारतीय नौसेना हरकत में आई थी, तो पाकिस्तान एक से दो हो गया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर में, भारतीय नौसेना अपने फॉर्म में आई होती, तो पाकिस्तान के दो टुकड़े ही न होते बल्कि मैं समझता हूँ शायद चार टुकड़े हो जाते। रक्षा मंत्री ने गोवा के तट से कुछ ही दूरी पर आईएनएस विक्रांत पर यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ÷मैं यह बात फिर से, बेहद दृढ़ता से कहना चाहता हूँ, कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह सिर्फ एक विराम है, एक चेतावनी। अगर पाकिस्तान ने फिर वही गलती की, तो भारत का उत्तर और भी कठोर होगा, और इस बार, उसे संभलने का मौका नहीं मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक मिलिट्री एक्शन नहीं है बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का फ्रंटल असॉल्ट है। हम आतंकवाद के खिलाफ हर उस तरीके का इस्तेमाल करेंगे, जो

पाकिस्तान सोच सकता है, मगर हम उन तरीकों का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करेंगे, जो पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी फोर्स की फॉरवर्ड तैनाती के साथ-साथ विक्रांत कैरियर बैटल ग्रुप की फोर्स प्रोजेक्शन ने भी हमारे इरादे और क्षमता का प्रभावी संकेत दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपकी इस मजबूत तैयारी ने दुश्मन के हौसले को पहले ही पस्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए आपकी तैयारी मात्र ही बहुत थी। आपको तो एक्शन की जरूरत ही नहीं पड़ी, आपकी तैयारी से ही दुश्मन सकते में आ गया। पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना की प्रचंड शक्ति, उसकी सैन्य सूझबूझ और विध्वंसक क्षमताओं को न सिर्फ महसूस किया, बल्कि वह उससे भयभीत भी हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि हाफिज सईद 'मुंबई हमलों' का गुनहगार है। समुंदर के रास्ते मुंबई में मौत बरसाने का जो गुनाह उसके संगठन ने किया है, उसका इंसाफ होना चाहिए। यह काम पाकिस्तान में नहीं हो सकता है। मुंबई हमलों के एक आरोपी तहव्वुर राणा को पिछले दिनों भारत लाया गया है। पाकिस्तान की ओर से बार-बार बातचीत की पेशकश की जा रही है। कल ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने फिर यह बात दोहराई है, मगर भारत ने साफ कह रखा है कि बात होगी, तो आतंकवाद पर होगी, पीओके पर होगी। अगर पाकिस्तान बातचीत को लेकर गंभीर है, तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत के सुपुर्द करना चाहिए ताकि इंसाफ किया जा सके। गौरतलब है कि आईएनएस विक्रांत भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है। इस भारतीय एयरक्राफ्ट कैरियर में फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर दोनों ही हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने परिवार संग बाबा केदारनाथ के किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार सुबह परिवार संग बाबा केदारनाथ का दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की और बाबा केदार से आशीर्वाद लिया। सुबह झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन का हेलीकॉप्टर सुबह ठीक 08 बजकर 05

मिनट पर केदारनाथ हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री अपने पूरे परिवार के साथ बाबा केदारनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर परिसर पहुंचे। मंदिर में पहुंचकर उन्होंने परिवार संग विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न की। केदारनाथ पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर और आस-पास की घाटी में फैले हिमालयी सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया। हिमाच्छादित पर्वतों से घिरे इस तीर्थस्थल की दिव्यता और भव्यता ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार को अभिभूत कर दिया।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला- ऑपरेशन सिंदूर से 'सबूत गैंग' खुश नहीं

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले दिन से राहुल गांधी, जयराम रमेश और उनके लोगों ने भारतीय सेना, भारत के शौर्य पर सवाल उठाया, ये 'सबूत गैंग' खुश नहीं है। संबित पात्रा नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि यहां आतंकवादी घूम रहे हैं, वहां सांसद घूम रहे हैं। एक ही सांस में आपने सांसदों और आतंकवादियों को समान कर दिया? सांसद घूमने नहीं गए हैं, वे भारत के पक्ष को विश्व के सामने रखने गए हैं, उसमें आपके भी सांसद हैं। अमेरिका के एक बड़े मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर के एक आलेख का हवाला देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने

न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से हराया, बल्कि एक बड़ी तकनीकी जीत भी हासिल की, क्योंकि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीन के प्रॉक्सी के रूप में काम किया, जो चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर था। भारत के बारे में वैश्विक धारणा तेजी से सकारात्मक हुई है।उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल, विशेष रूप से कांग्रेस, भारतीय सशस्त्र बलों पर लगातार सवाल उठाकर राष्ट्रीय एकता का विरोध करना जारी रखते हैं। कांग्रेस ने आरंभ में कहा कि हम देश के साथ खड़े हैं मगर एक दिन भी ये भारत के साथ नहीं खड़े थे। चाहे राहुल गांधी हों, जयराम रमेश हों या रेवंत रेड्डी, उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं, उससे भारतीय सेना का मनोबल गिराने की कोशिश की गई है।

जौनपुर में अनियंत्रित बस पलटने से पांच की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

जौनपुर। जिले में बक्सा थाना क्षेत्र के लखउवा हाईवे के पास एक प्राइवेट बस बेकाबू होकर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे में छह से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल लिया। जिलाधिकारी डॉ दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों से पूछताछ में पता चला है कि बदलापुर से जौनपुर शहर की ओर आ रही एक प्राइवेट बस बक्सा थाना क्षेत्र के लखउवा हाईवे के पास मोड़ होने की वजह से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद बस में फंसे घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मरने वालों की पहचान बक्सा की रहने वाले विजय शर्मा की पत्नी संध्या शर्मा (60), झारखंड की रहने वाली नेमा देवी (60), बस कंडक्टर काली चरण (36), सुशीला यादव के रूप में हुई है। इसके अलावा एक मृतक की अभीपहचान नहीं हो सकी है। इस दुर्घटना में छह से अधिक यात्री घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह लापरवाही और तेज रफ्तार हो सकती है। पुलिस बस चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को समुचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

बिहार में बोले प्रधानमंत्री मोदी-

'आतंकवाद हो या नक्सलवाद, अब माफी नहीं सीधा जवाब मिलेगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के काराकाट में आयोजित जनसभा में देश की सुरक्षा, बिहार के विकास और पिछली सरकार की नीतियों पर खुल कर हमला बोला। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की निर्णायक रणनीति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है, न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींच कर कुचल देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोग इस बदलाव के गवाह हैं कि कैसे नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति लौट रही है। कभी जिन गांवों में स्कूल जलाए जाते थे, सड़क बनाने वालों को मारा जाता था, आज वहां सड़क भी है, अस्पताल भी है और मोबाइल टावर भी खड़े हैं। उन्होंने विकसित भारत

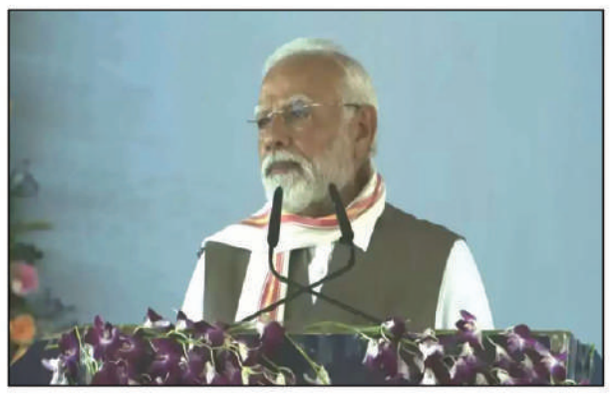

के लिए विकसित बिहार को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि 2014 में जब एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता में आई थी, तब भारत में 125 नक्सल प्रभावित जिले थे, अब इनकी संख्या घटकर केवल 18 रह गई है। प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिन्होंने दशकों तक बिहार के दलितों, पिछड़ों और गरीबों को शौचालय, बैंक खाता और छत जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा, वे आज सामाजिक न्याय की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की, जबकि एनडीए सरकार ने सभी जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाई। उन्होंने कहा कि पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का लोकार्पण किया जा चुका है, जो अब सालाना एक करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। बिहटा एयरपोर्ट पर भी 1,400 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। बिहार के मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना और जीआई टैग की सुविधा को भी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में गिनाया।

भारत का एआई इकोसिस्टम वैश्विक सफलता के शिखर पर है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के अवसर से स्टार्टअप्स को मदद मिलेगी। स्टार्टअप्स को इमेज एडिटिंग, डीप-टेक, अर्थ ऑब्जर्वेशन से लेकर कन्वर्सेशनल एआई तक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल प्रभावशाली समाधान बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत, इंडियाएआई मिशन ने 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' के लिए 10 स्टार्टअप को चुने जाने की घोषणा की है। भारत की एआई क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' स्टेशन एफ, पेरिस और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, फरवरी 2024 में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा ने न केवल उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत दिया, बल्कि वैश्विक एआई मानदंडों

और इनोवेशन डिप्लोमेसी को आकार देने के लिए भारत की मंशा को भी प्रदर्शित किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भारत का एआई इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम अपने सबसे बेहतरीन स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल, प्रभावशाली समाधान बनाने में सक्षम बना रहे हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड : सभी आरोपियों को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा

लोगों ने सड़क पर उतरकर इस हत्याकांड में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

एजेंसी

उत्तराखंड । उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रकरण में संलिप्त तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सजा का ऐलान कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने दिया है। इस हत्याकांड में संलिप्त पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 302, 201, 354 के तहत दोषी करार दिया गया है। कोर्ट ने हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी पुलकित आर्य पर 302, 201, 354ए और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत आरोप तय किए। वहीं, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को आईपीसी की धारा 302, 201 और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम

के तहत दोषी करार दिया गया। दो साल आठ महीने तक इस पूरे मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट में कुल 47 गवाह पेश किए गए। 19 मई को ही इस पूरे मामले की सुनवाई पूरी हुई थी, जिसके बाद कोर्ट ने सजा सुनाने के लिए 30 मई की तारीख निर्धारित की थी। घर की आर्थिक हालत ठीक नहीं होने की वजह से अंकिता भंडारी ने रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन, उन्हें नौकरी ज्वाइन किए 20 दिन भी पूरे नहीं हुए थे कि वह गायब हो गईं। इसके बाद अंकिता के पिता ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कराने के लिए पौड़ी, मुनिकीरेती और ऋषिकेश के चक्कर काटे। लेकिन, किसी ने भी उनकी नहीं सुनी। इसके बाद जब इस मामले में दबाव बढ़ा, तो इसे पुलिस को सौंप दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पुलकित आर्य और उसके दो अन्य साथी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को गिरफ्तार किया। इसके बाद 24 सितंबर 2022 को चीला नदी से अंकिता भंडारी का शव बरामद हुआ था। इस हत्याकांड ने उत्तराखंड के लोगों को उद्वेलित कर दिया था।

नकली खाद घोटाले पर किरोड़ी मीणा का शिकंजा

दूसरे दिन भी फैक्ट्रियों पर छापेमारी, कर्मचारी ताला लगाकर भागे, 5 यूनिट सीज

एजेंसी

अजमेर/किशनगढ़ । राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किशनगढ़ इलाके में फैले नकली उर्वरक के गोरखधंधे पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन उन्होंने डींडवाड़ा, बांदरसिंदरी और चौसला गांव की खाद फैक्ट्रियों पर औचक छापेमारी की। मंत्री की कार्रवाई से हड़कंप मच गया और एक फैक्ट्री में तो कर्मचारी ताला लगाकर मौके से भाग खड़े हुए। किरोड़ी मीणा शुक्रवार सुबह डींडवाड़ा की राधिका एग्रो फैक्ट्री पहुंचे और फिर बांदरसिंदरी में एक अन्य खाद यूनिट का निरीक्षण किया। यहां से वे चौसला गांव पहुंचे जहां एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने खाद को बाहर फेंका और फैक्ट्री में ताला लगाकर फरार हो गए। मंत्री ने तुरंत अधिकारियों को फैक्ट्री तुड़वाकर जांच के निर्देश दिए।अब तक की जांच में 5 फैक्ट्रियों को सीज कर

दिया गया है। कृषि विभाग ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 34 फैक्ट्रियों को जांच के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों की मानें तो इन फैक्ट्रियों में तैयार नकली डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश की आपूर्ति सिर्फ राजस्थान में नहीं, बल्कि हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में भी की जाती रही है। किरोड़ी मीणा ने गुरुवार को किशनगढ़ की 12 खाद फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद प्रशासन ने रातभर में सबूतों को सुरक्षित कर लिया।

हर आतंकी हमले का जवाब कठोरता और तत्परता से देना पीएम मोदी की नीति : अमित शाह

अमित शाह ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे पर सीमा पार से गोलीबारी में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को नियुक्ति पत्र भी सौंपा।

एजेंसी

पुंछ । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने पुंछ दौरे के क्रम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति है कि हर आतंकी हमले का जवाब कठोरता और तत्परता से दिया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे पर सीमा पार से गोलीबारी में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को नियुक्ति पत्र भी सौंपा। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। शाह ने कहा, पाकिस्तान ने घोर निंदनीय हमला किया। रिहायशी

इलाकों और धार्मिक स्थलों पर हमला किया। उस हमले में हमारे जो नागरिक हताहत हुए हैं, उनके परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र देने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हम सभी जानते हैं कि मुआवजा या सरकारी नौकरी से जीवन में जो हानि हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती, लेकिन जम्मू-कश्मीर सरकार, भारत सरकार और समग्र जनता की जो भावना जुड़ी है, यह उसका प्रतीक है। उन्होंने कहा, पूरा देश इस घटनाक्रम में आपके साथ चट्टान की तरह खड़ा है। जो बहादुरी पुंछ के नागरिकों और अधिकारियों ने दिखाई है, उससे पूरे देश का संबल बढ़ा है। पहलगाम में निर्दोष नागरिकों, यात्रियों पर कायराना हमला हुआ। पीएम मोदी की नीति है कि हर आतंकवादी हमले का जवाब तत्परता और कठोरता से दिया जाएगा।

उस नीति के तहत हमने 7 मई की रात को पीओके और पाकिस्तान में जो आतंकवादी अड्डे थे, उन्हें ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा, पहली बार भारत की सेना ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी हेडक्वार्टर को नष्ट कर दिया।

यह करारा जवाब समग्र भारत की जनता की ओर से दिया गया। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से लिए गए निर्णय, हमारी एजेंसियों की सटीक सूचनाओं और सेना के अद्भुत साहस और अचूक मारक क्षमता के कारण यह संपन्न हो पाया कि सैकड़ों की संख्या में आतंकवादी हताहत हुए।

खरगे-राहुल के साथ असम कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली । असम प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित पार्टी की प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों ने यहां कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में बैठक की जिसमें असम के राजनीतिक हालात पर चर्चा की गयी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बैठक की जानकारी देते हुये कहा, आज, माननीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के नेतृत्व में, कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में नवगठित असम प्रदेश कांग्रेस के सदस्यों के साथ मुलाकात और बैठक की। समझा जाता है कि बैठक में असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर वहां के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में श्री खरगे तथा श्री गांधी के आलवा प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई, कांगेस संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह अलवर सहित कई प्रमुख नेता मौजूद थे। गौरतलब है कि कांग्रेस ने हाल ही में लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव

गोगोई को असम प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया था और इस नियुक्ति को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भाजपा की हैट्रिक रोकने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। असम विधानसभा चुनाव में श्री गोगोई का अब मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा से सीधा मुकाबला होना तय माना जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई। शपथ ग्रहण समारोह में शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे।इस महीने उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति ए एस ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के तीन पद खाली हो गए थे। न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की कॉलेजियम ने 26 मई 2025 को विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीनों मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मुहर के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को न्यायमूर्ति अंजारिया, न्यायमूर्ति बिश्नोई और न्यायमूर्ति चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ लेने से पहले न्यायमूर्ति अंजारिया कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जबकि न्यायमूर्ति बिश्नोई गुवाहाटी उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति चंदुरकर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे।

आर्यदान शौकत के समर्पण की जीतः प्रियंका

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल में नीलांबुर विधानसभा सीट के उप चुनाव में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट - यूडीएफ के उम्मीदवार आर्यदान शौकत की जीत को उनके समर्पण की जीत करार दिया है। श्रीमती वाड्रा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूडीएफ के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रयासों से यह जीत संभव हुई है। संविधान के मूल्यों और प्रगति के लिए यूडीएफ के दृष्टिकोण में जनता भरोसा और विश्वास आगे के रास्ते के लिए मार्गदर्शक प्रकाश होगा। उन्होंने कहा, हमने एक टीम के रूप में काम किया, हर एक ने प्रतिबद्धता और एक ही लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया, यही इस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण सबक है। आर्यदान शौकत को हार्दिक बधाई, जिनके समर्पण और सेवा ने चमक बिखेरी है। सबसे बढ़कर नीलांबुर के मेरे बहनों और भाइयों को उनके समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। श्री शौकत ने सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के उम्मीदवार एम. स्वराज को पराजित कर जीत हासिल की है।

आईएमए जेडीएन ने स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को पत्र, नीट-एसएस कट-ऑफ कम करने की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को डॉक्टर्स ने नीट-एसएस की कट-ऑफ को लेकर पत्र लिखा है। भारतीय चिकित्सा संघ के जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने मांग की है कि नीट-एसएस की कट-ऑफ को कम किया जाए। इन डॉक्टर्स का कहना है कि हाई कट-ऑफ के कारण अनेक अत्यंत योग्य और प्रतिबद्ध उम्मीदवारों को अवसर से वंचित होना पड़ रहा है। जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने पत्र में लिखा, देश के कई संस्थानों में सुपर स्पेशियलिटी की सीटें खाली होने के बावजूद नीट-एसएस 2025 में उच्च योग्यता प्रतिशत के कारण अनेक काबिल और समर्पित अभ्यर्थी को वर्तमान में अवसर से वंचित होना पड़ रहा है।

अब तक नीट-एसएस के दो काउंसलिंग राउंड हो चुके हैं, फिर भी कई सीटें खाली हैं। लेटर के जरिए डिमांड रखते हुए डॉक्टर्स ने लिखा, हम अनुरोध करते हैं कि पहले की तरह इस बार भी कट-ऑफ पर्सेंटाइल में सहानुभूतिपूर्ण और विवेकपूर्ण कटौती की जाए। कई ऐसे योग्य उम्मीदवार हैं जो कट-ऑफ से थोड़ा पीछे रह जाते हैं, लेकिन पूरी तरह से सक्षम और सुपर स्पेशियलिटी ट्रेनिंग करने के इच्छुक होते हैं। आने वाली काउंसलिंग राउंड में कट-ऑफ कम करने से इन डॉक्टरों को स्वास्थ्य सेवाओं में सार्थक योगदान का अवसर मिल सकेगा।

स्थिरता एक आवश्यकता है, अब एक नारा नहीं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना कर रही है। स्थिरता अब एक नारा नहीं है, यह एक आवश्यकता बन गई है। लेखांकन की प्रथा का भारत में एक लंबा इतिहास है। लेखांकन और जवाबदेही गहराई से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रपति सचिवालय के एक बयान के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के 12वें राष्ट्रीय छात्रों के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे इतिहास में लेखांकन और जवाबदेही का घनिष्ठ संबंध होने के कारण लेखाकारों को समाज में उच्च सम्मान प्राप्त है। हम जवाबदेही को महत्व देते हैं, इसलिए लेखांकन को विशेष महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में इस समृद्ध विरासत को अन्य संस्थाओं के अलावा भारतीय लागत लेखाकार संस्थान ने आगे बढ़ाया जा रहा है। इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1944 में देश में लागत और प्रबंधन लेखाकारों के विनियमन और विकास के लिए की गई थी और स्वतंत्रता के बाद यह न केवल आर्थिक परिवर्तन का साक्षी है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को आज दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

किशोरियों को कौशल प्रदान करने को संयुक्त पायलट पहल 'नव्या' की होगी शुरुआत

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के साथ मिलकर किशोरियों को कौशल प्रदान करने के लिए दोनों मंत्रालयों की संयुक्त पायलट पहल नव्या की शुरुआत करने जा रहा है। मंगलवार को सोनभद्र से नव्या की शुरुआत एमएसडीई के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा किया जाएगा। नव्या एक पायलट पहल है जिसका उद्देश्य 16-18 वर्ष की आयु की किशोरियों को कक्षा 10 की न्यूनतम योग्यता के साथ मुख्य रूप से गैर-पारंपरिक नौकरी भूमिकाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण से लैस करना है। यह पायलट पहल देश के 27 जिलों में लागू की जाएगी जिसमें 19 राज्यों में फैले आकांक्षी जिले और पूर्वोत्तर राज्यों के जिले शामिल हैं। लॉन्च के हिस्से के रूप में दोनों मंत्रालय किशोरियों के लिए कौशल प्रयासों पर अभिसरण को संस्थागत बनाने के लिए अपने सहयोग को औपचारिक रूप देंगे। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और अन्य प्रमुख कौशल विकास योजनाओं की खूबियों पर आधारित होगा।

प्रधानमंत्री से मिले मप्र के मुख्यमंत्री, विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने का दिया आमंत्रण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें मध्य प्रदेश में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रमों में आने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान्तर्गत खंडवा जिला भूगर्भ-जल भंडारण में पूरे देश में प्रथम आया है और मध्य प्रदेश ने शीर्ष चार राज्यों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की प्रेरणा गुजरात सरकार से मिली है, जहाँ पुराने कुएं, बावड़ियों, नदी तटों का जीर्णोद्धार कर भूगर्भ-जल भंडारण के विशेष

काम किये गये हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अभियान के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सहर्ष स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चार स्तंभों- गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास की दिशा में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के नए अवसर सृजिन करने के उद्देश्य से आगामी 12-13 और 14 अक्टूबर को सीहोर जिले में दो लाख से अधिक किसानों का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस सम्मेलन के उद्घाटन करने के लिए निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पार्क के भूमिपूजन और औद्योगिक खंडों के आवंटन के लिए भी प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन इस वर्ष अक्टूबर माह तक प्रारंभ हो जाएगी, प्रधानमंत्री को इसका करने का न्यौता भी दिया।

डीबीजी रोड पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को बटन वाले चाकू के साथ पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के डीबीजी रोड पुलिस थाने की टीम ने एक हिस्ट्रीशीटर को बटन वाले चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विजय उर्फ विक्की उर्फ मोटा (45 वर्ष), निवासी अमरपुरी, नबी करीम, दिल्ली के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी 20-21 जून की मध्यरात्रि को सतर्क गश्त के दौरान हुई।

पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय जिला) निधिन वलसन ने बताया कि डीबीजी रोड पुलिस को अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सतर्क गश्त और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कांस्टेबल सौरभ और अनूप की गश्ती टीम रात को करोलबाग के लिबर्टी सिनेमा के पीछे खाली जमीन के पास तैनात थी। इस दौरान टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा, जो पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश करने लगा। सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और उसे धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विजय बताया। लेकिन, मौके पर मौजूदगी का कोई ठोस कारण नहीं बता सका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक बटन-संचालित चाकू बरामद हुआ। इसके बाद, डीबीजी रोड थाने में आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला कि विजय नबी करीम थाने का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है और पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वह इलाके में आपराधिक गतिविधियों का सक्रिय सदस्य है। बरामद चाकू को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि हम अपराध रोकने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। ऐसी कार्रवाइयों से इलाके में अपराधियों के बीच डर पैदा होगा और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

अरविंद केजरीवाल ने राज्यसभा जाने की अटकलों को किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्यसभा जाने की सारी अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा से कौन जाएगा, यह पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) तय करेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'मैं राज्यसभा नहीं जा रहा'।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। इसमें उन्होंने पांच विधानसभा सीटों के उपचुनाव में दो सीटों पर मिली जीत के लिए जनता का धन्यवाद दिया। इसमें कांग्रेस, भाजपा और टीएमसी ने एक-एक सीट जीती हैं। गुजरात में विसावदर और पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट पर आआपा ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि वे लुधियाना पश्चिम से जीते संजीव अरोड़ा और विसावदर से जीते गोपाल इटालिया के साथ दोनों राज्यों की जनता को बहुत बधाई

देता हैं। आआपा के प्रति विश्वास दिखाने के लिए दोनों राज्यों की जनता का दिल से धन्यवाद है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि फरवरी 2022 में पंजाब और दिसंबर 2022 में गुजरात में चुनाव हुए थे। गुजरात के विसावदर सीट आआपा जीती थी, लेकिन हमारे विधायक भाजपा में चले गए और उसकी वजह से यह चुनाव हुआ। 2022 में गुजरात की विसावदर विधानसभा सीट पर और पंजाब के लुधियाना पश्चिम की सीट पर जीतने मतों के अंतर से आआपा जीती थी, आज उससे दोगुने अंतर से दोनों सीटीं जीती है। यह इस बात का बहुत बड़ा संकेत है कि पंजाब की जनता आआपा की सरकार के काम से बहुत खुश हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि विसावदर के लोगों ने भी 2022 की तुलना में इस बार दोगुने मतों के अंतर से ''आआपा'' को जिताया है। अक्सर कहा जाता है कि उपचुनाव में सत्तासीन पार्टी ही जीतती है। गुजरात में भाजपा सत्ता में है। भाजपा की सरकार होने के बावजूद विसावदर की जनता ने 2022 की तुलना में दोगुने मतों के अंतर से आआपा को जिताया है।

दाहोद इंजन कारखाने पर कांग्रेस के सवाल पर रेल मंत्रालय का जवाब, कहा- सारी प्रक्रिया पारदर्शी

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के दाहोद में 26 मई को हुए रेल इंजन कारखाने के उद्घाटन को लेकर कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के लगाए आरोपों पर रेल मंत्रालय ने जवाब दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 9,000 हॉर्स पावर वाले इलेक्ट्रिक इंजनों के निर्माण और रखरखाव के लिए पूरी निविदा प्रक्रिया पारदर्शी थी और इस प्रक्रिया में किसी भी तरह का नियम उल्लंघन या पक्षपात नहीं हुआ है। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विश्व स्तर पर केवल दो कंपनियां एल्सटॉम और सीमेंस ऐसी हैं, जो इतनी उच्च क्षमता वाले इंजनों को डिजाइन और निर्माण करने में सक्षम हैं। दोनों कंपनियों ने इस निविदा में भाग लिया था। तकनीकी मूल्यांकन में दोनों को समान स्तर पर रखा गया, जबकि वित्तीय मूल्यांकन के बाद सबसे कम कीमत देने वाली कंपनी को ठेका दिया गया। निविदा प्रक्रिया के दौरान किसी भी शर्त में बदलाव नहीं किया गया और पूरी प्रक्रिया भारतीय रेलवे द्वारा अपनाई जाने वाली पारंपरिक प्रणाली के अनुसार ही संचालित की गई। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि इस निविदा प्रक्रिया में रेल मंत्री की कोई भूमिका नहीं थी और मूल्यांकन कार्य पूरी तरह से विशेषज्ञ अधिकारियों की टीम द्वारा किया गया। इससे हितों के टकराव की संभावना पूरी तरह से नकार दी गई है। यह परियोजना 'जीवन चक्र लागत' (लाइफ साइकल बेस्ड प्रेक्योरमेंट) मॉडल पर आधारित है, जिसका उद्देश्य उत्पाद की विश्वसनीयता और यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।दाहोद में बनने वाले इंजनों में लगभग 89 फीसदी कंपोनेंट्स भारत में ही निर्मित किए जा रहे हैं। रेल मंत्रालय ने कहा कि लोकोमोटिव एक अत्यंत जटिल

मशीन है और उसके कंपोनेंट्स का निर्माण देश के विभिन्न हिस्सों में होता है। भारत ने बीते एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में जो प्रगति की है, उसने देश को इस स्तर तक पहुंचने में सक्षम बनाया है कि अब वह विश्व के कुछ गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जो इतनी जटिल मशीनों के पुर्जे खुद बना सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति के भाषणों का संकलन 'आशाओं की उड़ान - खंड 2' का विमोचन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'विंग्स टू आवर होप्स (वोल्यूम-II)' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान (खंड 2) पुस्तकों का विमोचन किया। यह पुस्तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 51 भाषणों का संग्रह है। यह राष्ट्रपति के तौर पर उनके दूसरे वर्ष (अगस्त 2023 - जुलाई 2024) का दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इसमें उनकी दृष्टि, दर्शन और प्राथमिकताएं शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्यमंत्री एल मुरुगन भी उपस्थित थे। रक्षामंत्री सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मु को महिलाओं के नेतृत्व में विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और कहा कि उन्होंने हमेशा वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए कार्य किया है। उन्होंने पुस्तक को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सरकार के

दृष्टिकोण का सार बताया। उन्होंने कहा कि यह संग्रह विविधता, समानता और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह पुस्तक हमारी गौरवशाली विरासत को संरक्षित करते हुए प्रगतिशील विचारों के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शक बनेगी। राष्ट्रपति मुर्मु हमारे देश में विविधता के महत्व को जानती हैं और वंचितों के दर्द को पहचानती हैं। यह पुस्तक समानता की भावना का उद्घोष करती है। रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति के कुछ विचारों को सरकार की प्राथमिकताएं बताया। प्राथमिकाएं जैसे विरासत के साथ विकास हमारी पहचान है और नैतिकता जीवन का आधार है। लोकसेवकों में सेवा और परोपकार की भावना जरूरी है। न्याय प्रणाली को आम जनता के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। विकास में नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए और भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से वैश्विक सुधार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे समकालीन मुद्दों को समझने का एक माध्यम बताया। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मु की संवेदनशीलता और सेवा भावना की सराहना की। उल्लेखनीय है कि 'विंग्स टू आवर होप्स (वोल्यूम-II)' प्रकाशन विभाग द्वारा तैयार की गई है। केंद्र सरकार के एक अग्रणी प्रकाशन संस्थान के रूप में प्रकाशन विभाग जनहित, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन, संस्कृति, कला और साहित्य के विभिन्न विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करता रहा है और पिछले आठ दशकों से भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के चुनिंदा भाषणों को दस्तावेजित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इजरायल-ईरान के बीच युद्ध मानवता के लिए ठीक नहीं : उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से तनाव कम करने और शांति की अपील की है। इस पर कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच युद्ध मानवता के लिए ठीक नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी बातचीत में कहा कि युद्ध समस्याओं का हल नहीं है। उन्होंने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है, युद्ध से शांति नहीं मिल सकती है। जिस तरह से इजरायल और ईरान के बीच युद्ध हो रहा है, यह दुनिया और मानवता के लिए ठीक नहीं है। वहीं, ईरान से भारतीय नागरिकों की सकुशल वापसी पर उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा करना हर देश की सरकार की जिम्मेदारी होती है।नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला के बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, मैं धार्मिक ध्रुवीकरण के विचार से सहमत नहीं हूं। मूल्यांकन इस आधार पर किया जाना चाहिए कि क्या वैध है और क्या नहीं। इस्लामिक देशों में ऐसा कहकर वे क्या संदेश देना चाहते हैं? यह धार्मिक ध्रुवीकरण है। इसके अलावा, प्रत्येक देश की अपनी परिस्थितियां और हित होते हैं और वे अपना अलग रुख अपनाते हैं, कोई भी व्यक्ति सिर्फ कहने से कोई रुख नहीं अपनाएगा। दुनिया में कहीं न कहीं या कुछ देशों में उत्पीड़न हो रहा है। अगर इस्लामिक आधार पर ध्रुवीकरण हुआ, तो पूरी दुनिया इस तरह से विभाजित हो जाएगी, जो नहीं होना चाहिए। क्या सही है और क्या गलत, इसका आकलन किया जाना चाहिए और यह चल रहा युद्ध गलत है।

ईरान से लौटे भारतीयों ने 'ऑपरेशन सिंधु' और पीएम मोदी की जमकर तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार की ओर से 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से अपने नागरिकों को वापस लाने का काम जारी है। इस बीच, ईरान से सकुशल वतन वापसी करने वाले लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से भारत लौटे एक नागरिक ने कहा कि हम ईरान में बहुत मुश्किल में थे। मैं मोदी सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। लखनऊ के रहने वाले एक शख्स जो पिछले 22 दिनों से ईरान में थे, उन्होंने कहा कि जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया, तो भारतीय दूतावास लगातार हमारे संपर्क में रहा। उन्होंने हमारी सुरक्षा सुनिश्चित की, हमें भोजन और दवाइयां मुहैया कराईं। हम वास्तव में आभारी हैं।

तनावपूर्ण परिस्थितियों का वर्णन करते हुए एक छात्र ने कहा कि वहां स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन भारतीय दूतावास ने हमारा पूरा साथ दिया। हमें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और हमारी वापसी की व्यवस्था भी बेहतरीन थी। एक अन्य व्यक्ति ने

कहा कि हमारे लिए भारत से बेहतर कुछ नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी वाकई महान हैं। एक अन्य ने कहा कि ईरान में लगातार बमबारी से स्थिति भयावह थी। इसके बावजूद भारत सरकार ने उचित व्यवस्था की। प्रधानमंत्री मोदी ने हम सभी का ख्याल रखा। एक अन्य भारतीय नागरिक ने सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार ने शानदार काम किया, ईरान से हमें लेने से लेकर घर वापस लाने तक। भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में था। मैं बहुत आभारी हूं। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत 285 भारतीय नागरिकों का एक और जत्था सुरक्षित रूप से नई दिल्ली पहुंचा है। जिससे ईरान से निकाले गए लोगों की कुल संख्या 1,713 हो गई। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से निकाले गए एक भारतीय महिला नागरिक ने कहा, हमारा देश महान, हमारा हिंदुस्तान महान ईरान से लौटे एक भारतीय नागरिक ने कहा, ईरान में भारतीय दूतावास ने अद्भुत काम किया है। एक भारतीय नागरिक ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि हमारी सरकार ने हमें उससे कहीं अधिक सहायता दी है, जिसकी अपेक्षा एक नागरिक अपनी सरकार से करता है।

भारत ने ओआईसी में पाकिस्तान प्रायोजित बयान की तीखी आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में भारत को लेकर अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत संदर्भों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि आतंकवाद को राजतंत्र में बदलने वाले पाकिस्तान प्रायोजित यह बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य के लिए ओआईसी के दुरुपयोग का उदाहरण है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान जारी करके कहा कि भारत ओआईसी परिषद की बैठक में अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत संदर्भों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। आतंकवाद को राजतंत्र में बदलने वाले पाकिस्तान प्रायोजित यह बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य के लिए ओआईसी मंच के निरंतर दुरुपयोग को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय ने ओआईसी को आईना दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के वास्तविक खतरे को स्वीकार करने में ओआईसी बार-बार विफल रहा है। हाल ही में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में जघन्य आतंकी हमले में प्रमाणित विफलता दर्शाती है कि तथ्यों के प्रति जानबूझकर उपेक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर वैश्विक सहमति को कमजोर किया जा रहा है। भारत ने कहा कि ओआईसी को जम्मू-कश्मीर सहित भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है जो भारत के अभिन्न और संप्रभु हिस्से से संबंधित हैं। एक तथ्य जो भारतीय संविधान में निहित है और अपरिवर्तनीय रूप से सुलझा हुआ है। बयान में कहा गया कि ओआईसी को पाकिस्तान को उसके दुष्प्रचार के एजेंडे को जबरन लागू करने देने और उसका राजनीतिकरण करने की अनुमति देने के खतरों पर गहराई से विचार करना चाहिए। इस तरह का कोई भी अन्य बयान केवल ओआईसी की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता को कमजोर कर सकता है।बयान में कहा गया कि ओआईसी की बैठक में पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियां शासन की विफलता के अलावा राज्य प्रायोजित आतंकवाद, अल्पसंख्यक उत्पीड़न और सांप्रदायिक हिंसा के अपने भयावह रिकॉर्ड से अंतर्राष्ट्रीय ध्यान हटाने के एक हताश प्रयास से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

भारत को भावुक आदर्शवाद छोड़ आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिएः धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वैश्विक बहुपक्षवाद के सतत पतन के बीच आज नसीहत दी कि भारत को कूटनीतिक जगत में भावुक आदर्शवाद छोड़कर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्री धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राम माधव की पुस्तक न्यू वर्ल्ड-21 सेंचुरी ग्लोबल आर्डर इन इंडिया के विमोचन के अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तक के शब्दों में सावरकर की छवि स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सावरकर, तमाम अतिशयोक्तिपूर्ण और निराधार आरोपों के बावजूद एक सम्मानित चिंतक के रूप में सामने आते हैं, जो युद्धोत्तर व्यवस्था की प्रारंभिक घड़ी में खड़े थे। सावरकर एक कट्टर यथार्थवादी थे, जिन्होंने यह भविष्यवाणी की थी कि राष्ट्र केवल अपने हितों की पूर्ति के लिए कार्य करेंगे, न कि आदर्शवाद, नैतिकता या अंतरराष्ट्रीय एकता के आधार पर।श्री धनखड़ ने कहा, सोचिए, वह कितने दूरदर्शी थे। पिछले पखवाड़े, पिछले तीन महीनों में जो कुछ हुआ, वह हम

सबने देखा है। उन्होंने शांतिवादी या काल्पनिक अंतरराष्ट्रीयतावाद को नकारते हुए यह बल दिया था कि भारत को अपनी संप्रभुता को ताकत से सुरक्षित रखना चाहिए, न कि राष्ट्र संघ या बाद में संयुक्त राष्ट्र जैसी पश्चिम प्रधान संस्थाओं पर निर्भर होकर, जिन्होंने मानवता के छठवें हिस्से को कभी उसका उचित स्थान नहीं दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा, आज भारत को सशक्त बनाना सरकार का संचालन सिद्धांत और अडिग संकल्प है। यह अडिग है, दृढ़ है, और आलोचकों की परवाह किए बिना, यह रीढ़ की तरह मजबूत है। देश ने पहले कभी भी इतनी दृढ़ता से अपना पक्ष नहीं रखा। हमें इस बात से भ्रमित नहीं होना चाहिए कि किसने क्या कहा। सरकार, भारत और उसके लोग देश के साथ दृढ़ता से खड़े हैं। राष्ट्र सर्वोपरि और यही हमारा राष्ट्रवाद है... जो लोग तात्कालिक परिस्थितियों के अनुसार रुख अपनाते हैं, वे भारत की मानसिकता और धारा में नहीं हैं। जब हम आंतरिक रूप से मजबूत बनेंगे, तभी हम अपनी रणनीतिक स्थिति को बाहरी रूप से आकार दे सकेंगे।उन्होंने कहा,लेखक डॉ. राम माधव की पीड़ा से मैं पूर्णतः सहमत हूं। वे वैश्विक बहुपक्षवाद के लगातार पतन की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं और भारत को भावुक आदर्शवाद त्यागकर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हैं। राष्ट्र की रणनीतिक सोच की जड़ों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, अमेरिकी विचारक जॉर्ज टन्हैम ने तीन दशक पहले यह विचार रखा था कि भारत में उसकी हिंदू दार्शनिक जड़ों के कारण रणनीतिक सोच का अभाव है।

भारत की विदेश नीति सही दिशा में आगे बढ़ रही, बुद्ध की धरती से युद्ध का संदेश कभी नहीं गया : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के ईरान के समर्थन में लिखे गए लेख पर कहा कि बुद्ध की धरती से युद्ध का संदेश कभी नहीं गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति सही दिशा में आगे बढ़ रही है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने समाचार एजेंसी बातचीत में कहा, वैश्विक संकट और उथल-पुथल के इस समय में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति सही दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने बार-बार कहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, वास्तव में युद्ध स्वयं एक समस्या बन जाता है। बुद्ध की धरती से युद्ध का संदेश कभी नहीं गया है, भारत के हित और सुरक्षा सर्वोपरि है। राष्ट्रीय सुरक्षा हमेशा भारत के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इस दिशा में भारत की विदेश नीति निस्संदेह सही और रचनात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया है कि कुछ लोग इस पर बयानबाजी और लेखबाजी कर रहे हैं। देश इस तरह से हड़बड़ी में गड़बड़ी से नहीं चलता है। उन्होंने दोहराया कि देश मजबूती के साथ कूटनीतिक माध्यम से आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान ने ईरान पर अमेरिकी हमले की निंदा की। इस पर नकवी ने कहा, पाकिस्तान एक ऐसा देश बन गया है, जहां न तो कोई स्पष्ट नीति बची है, न ही कोई सुसंगत सोच। जो देश आतंकवाद का केंद्र और उद्योग बन गया है, ऐसे देश से तर्कसंगत सोच की उम्मीद कैसे की जा सकती है? उसकी मानसिकता ही आतंकवाद से भरी हुई है। पाकिस्तान की सोच में आतंकवाद और विघटन भरा हुआ है। भारत ने इस बात को महसूस किया है और दुनिया को बताता रहा है कि पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री बनी है, जो दुनिया के लिए चुनौती है। आपातकाल की 50वीं बरसी को भाजपा काला दिवस के रूप में मनाती है। इसे लेकर विपक्ष कई तरह के सवाल खड़े करने लगा है। इस पर भाजपा नेता ने कहा, स्वतंत्रता कांग्रेस की ओर से दिया गया उपकार नहीं था, यह क्रांतिकारियों के बलिदान का परिणाम था। सदियों से हमारे राष्ट्रीय नायकों ने स्वतंत्रता प्राप्त करने और इस देश में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

संपादक की कलम से

कोरोना ने दिखाए फिर पुराने तेवर

कोरोना की रफ्तार फिर गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत में हर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में हो रही वृद्धि भी अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है। सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं। वहीं, इससे होने वाली मौतों की शुरूआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है। महाराष्ट्र में 467, दिल्ली में 375, गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं।

हांगकांग और सिंगापुर में बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारे, वो चिंतनीय है। इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर 2023 में ही ह्यवैरिएंट ऑफ इंटरेस्टह्व घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं है।

इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वो चिंताजनक है। चीन से भी छन-छन कर जो निकल रहा है उससे पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है।

केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अब हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है। चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी के दृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए जिसे हमने देखा, भोगा है। लेकिन पुराने कड़वे अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद कीजिए कैसे उंगलियों पर गिनने लायक कोरोना के मामले पहले दर्जन से सैकड़ा, फिर हजार और उसके बाद लाखों में पहुंचे।

सुबह उठते ही सिर में तेज दर्द होना किस बीमारी का लक्षण है? एक्सपर्ट से जानें

कई बार आप सुबह जब सोकर उठते हैं तो सिर में हल्का या तेज दर्द महसूस करते हैं. इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं. यदि समय से इसका इलाज नहीं करवाया जाए तो गंभीर समस्या भी बन सकती है. वैसे सुबह उठते ही सिर में दर्द होना कई बीमारियों का लक्षण है. इसलिए इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए. ऐसा क्यों होता है और किन बीमारियों का यह लक्षण है. इस बारे में हमने बात की सीनियर फिजिशियन से.

बहुत से लोगों के साथ अक्सर ऐसा होता है. वह सुबह सोकर उठते हैं तो सिर में भारीपन, हल्का या तेज दर्द महसूस करते हैं. कई बार ऐसा रात में अधिक शराब पीने का कारण भी होता है. सुबह के समय हैंगओवर होने के कारण सिर में दर्द होता है. ऐसे में यदि आप कुछ खा लें तो सिर दर्द में आराम मिल जाता है. वैसे डॉक्टर हैंगओवर के लिए नींबू पानी या आइसक्रीम को बेस्ट मेडिसिन बताते हैं. इसके अलावा सुबह नींद खुलने पर सिर में होने वाले दर्द के और क्या कारण होते हैं. क्या यह गंभीर होते हैं.

इन कारणों से होता है सिर दर्द

एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन बताते हैं कि सुबह के समय नींद खुलने पर यदि सिर में दर्द महसूस हो रहा है तो इसके पीछे सबसे सामान्य कारण है नींद का पूरा नहीं होना. इसके अलावा स्लीप एपनिया भी इसका कारण हो सकता है. इसमें शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और सिर दर्द होता है. माइग्रेन के कारण भी सुबह नींद खुलने पर सिर दर्द महसूस होता है. तनाव के कारण भी ऐसा होता है. इसके अलावा यदि आपको डिहाइड्रेशन है तब भी सुबह के समय नींद खुलने पर सिर दर्द महसूस हो सकता है. इसके अलावा साइनस और अन्य कुछ बीमारियों के कारण भी ऐसा होता है. डॉ. आलोक रंजन कहते हैं कि यदि सुबह उठने पर आपको अक्सर सिर दर्द हो रहा तो इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए।

उच्च शिक्षा के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों की पहल

गिरीश्वर मिश्र

आकार की दृष्टि से आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्था है जिसमें लगभग 44 हजार उच्चशिक्षा के संस्थानों और देशी संस्थाओं के साथ एक विशाल व्यवस्था खड़ी हो चुकी है। इनमें 1115 विश्वविद्यालय या उसी तरह के संस्थान हैं। भारत देश की जनता की औसत आयु 29 वर्ष के करीब आंकी गई है। इस दृष्टि से यह एक युवा देश है और वह एक गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा का हकदार है।

उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाना कई कारणों से देश की आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। तभी युवा देश होने का लाभ या डेमोग्राफि क डिवीडेंड मिल सकेगा। इस संदर्भ में यह भी गौरतलब है कि उच्च शिक्षा का भारतीय अतीत निःसंदेह रूप से अत्यंत गौरवशाली रहा है। यहां के विद्याकेंद्र शिक्षण, शोध और अध्यापन की दृष्टि से विश्वस्तरीय मानदंड वाले थे और विश्व गुरु का दर्जा कोई कपोल कल्पना नहीं थी। यहां शिक्षा में नवाचार भी होते थे। इन उत्कृष्ट संस्थानों की गुणवत्ता से आकर्षित हो कर अन्य देशों से भी विद्यार्थी आते थे। नालंदा और तक्षशिला ऐसे ही विश्वविश्रुत शिक्षाकेंद्र थे जहां अनेक विषयों की शिक्षा दी जाती थी। यह व्यवस्था निश्चित रूप से बहुशास्त्रीय और अंतर अनुशासनिक (मल्टी और इंटरडिसिप्लिनरी) शिक्षा थी जिसकी आजकल बड़ी गूंज है। कालांतर में अनेक दुष्प्रभावों के बीच यह व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुई। उसके पुरावशेष आज भी बचे हैं और ज्ञान की थाती को संजोती-दशार्ती विभिन्न विषयों की अथाह ग्रंथ-राशि भी शेष है।

उल्लेखनीय है कि यह ज्ञान-परम्परा समग्रता पर जोर देती थी। भौतिक-सामाजिक ज्ञान के साथ ही पारमार्थिक ज्ञान यानी परा और अपरा विद्या, दोनों पर जोर देती थी। समग्र शिक्षा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थों के लिए तैयार करती थी। निकट अतीत में अंग्रेजों की औपनिवेशिक नीति के तहत भारतीय शिक्षा ब्रिटेन की नकल करते हुए नई चाल में ढल चली। उसने भारतीय शिक्षा का हाशियाकरण किया और शिक्षा के पैमाने बदल डाले। अपनी और दूसरों की मुक्ति और कल्याण के बदले अर्थकरी शिक्षा मुख्य हो गई। वित्त ही मुख्य होता गया और उसी के जाल में हम फँसते गए। स्थिति बिगड़ती गई। स्वतंत्र भारत में भी ढांचा वही रहा और शिक्षा को नीति में वह वरीयता न मिल सकी जिसकी उसे दरकार थी। शिक्षा के संचालन में समझौते दर समझौते होते गए और ढांचा मूलतः विदशी जिसे सार्वभौमिक करार दिया गया। ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता तथा अपने देश के लिए प्रासंगिकता घटती गई। आज विद्यार्थियों और अध्यापकों के आचरण को लेकर कई प्रश्न खड़े हैं। अयोग्य डिग्रीधारी या शिक्षित बेरोजगार बढ़ने लगे। शिक्षा के परिसर प्रदूषित होने लगे। आज की घोर वास्तविकता यही है कि समकालीन उच्च शिक्षा अनेक दुविधाओं और अंतर्विरोधों से ग्रस्त है। वह गुणवत्ता, समता, समावेशिकता, सांस्कृतिक दृष्टि से प्रासंगिकता और उपलब्धता की विकराल चुनौतियों से जूझ रही है। ज्ञान कहीं का हो आदरणीय है पर यदि वह हमारे अस्तित्व को खतरे में डाले तो विचार करने की जरूरत पड़ती है। अब खबर गर्म है कि विदेशी विश्वविद्यालय के उपग्रह भारत में ज्ञान का प्रकाश फैलाएंगे। वैसे आज भी भारत की उच्च शिक्षा की धुरी मूलतः अमेरिका और ब्रिटेन में ही है। ज्ञान की विषयवस्तु, परिधि, प्रकार और प्रक्रिया में वे बड़ी भूमिका निभाते आ रहे हैं पर वह बहुतों को नाकाफी लगती है। परिणाम यह होता है कि हजारों की संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा पाने के लिए अकेले अमेरिका जाते हैं। अब विदेशी विश्वविद्यालय भारत में पहुंच कर परिसर खोल रहे हैं। विगत वर्षों में अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल भारत में आ चुके हैं और इस देश में शिक्षाकेंद्र शुरू करने में अपनी रुचि व्यक्त कर चुके हैं। अनेक भारतीय विश्वविद्यालय भी विदेशी संस्थाओं के साथ कई तरह से सम्पर्क साध रहे हैं। इसके नियमन की मुकम्मल व्यवस्था अभी ठीक से कार्यान्वित नहीं हो सकी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कुछ नियम बना रहा है और दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इसी तरह अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद भी कारवाई कर रही है। इस बीच देश में उच्च शिक्षा में सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी काम हुई है और निजी शिक्षा संस्थानों की बाढ़ सी आ गई है और सैकड़ों से ज्यादा डीम्ड विश्वविद्यालय अस्तित्व में आ चुके हैं। इनमें कुछ ऐसे भी हैं जो नवाचार, नई विधियों और नए पाठ्यकर्मों में भी रुचि ले रहे हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए आवश्यक नियम कानून बानाने होंगे और एक पारदर्शी व्यवस्था भी लानी होगी तभी शिक्षा में उत्कृष्टता का सपना पूरा हो सकेगा।

आमतौर पर विदेश की शिक्षा देशी शिक्षा के लिए पूरक के रूप में ली जाती रही है। वैसे भी भारत में आईआईटी और आईआईएम जैसे अच्छे शिक्षा संस्थानों में सीमित अवसर होने के कारण विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक अभ्यर्थियों में गलाकाट प्रतिस्पर्धा चलती है। चूंकि अवसर सीमित होते हैं। बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी शिक्षा का अवसर नहीं पा पाते। आज युवा वर्ग की जनसंख्या बढ़ने के साथ उच्च्च शिक्षा की संस्थाओं पर प्रवेश देने के लिए दबाव तेजी से बढ़ रहा है पर संसाधनों की कमी से प्रवेश के लिए संस्थानों में सीटें बढ़ाना मुश्किल हो रहा है। भारतीय पाठ्यक्रम अक्सर विषयवस्तु की दृष्टि से तो समृद्ध होते हैं परंतु अनुभव की दृष्टि से सीमित होते हैं और उनके तथा उदयोग की जरूरतों के बीच बड़ी खाई बनी रहती है। इससे विद्यार्थी के लिए भविष्य के कैरियर में बाधा पड़ती है।अमेरिकी और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों ने भारत में परिसर खोलने में खासी रुचि दिखाई है। भारतीय छात्रों को आकर्षित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा ने भी इस दिशा में पहल की है। अनेक देशों के शैक्षिक मेले भी भारत में लग रहे हैं। अच्छे विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रामाणिक पाठ्यक्रमों का देश में उपलब्ध होना उच्च शिक्षा के क्षितिज को विस्तृत करने वाला अवसर सिद्ध हो सकता है। करियर की तैयारी और उद्योग धंधों के लिए मुफीद पाठ्यक्रम चलाने के लिए विदेशी संस्थान प्रसिद्ध हैं। शिक्षा को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ने की जरूरत सभी अनुभव कर रहे हैं। वैश्वीकरण से शिक्षा में विविधता आएगी। दूसरी ओर विदेश जा कर पढ़ाई करने में जो अच्छी खासी रकम खर्च होती है उसमें भी बचत होगी। पर यह तथ्य भी नकारा नहीं जा सकता कि विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत की ओर कूच करने के अभियान के मूल में बाजार प्रेरित मांग ही मुख्य है। यह कदम उच्च शिक्षा के तेजी से हो रहे व्यापारीकरण की प्रवृति को और प्रबल करने वाला होगा।

सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की सीमाओं के चलते निजी संस्थानों के पौ बारह हैं। वे विदेशी विश्वविद्यालयों से जुड़कर विदेशी डिग्री दिलाने में आगे हैं जिनकी बदौलत उनकी बाजार में पूछ भी होती है। इस तरह उच्च शिक्षा एक बिकाऊ माल होता जा रहा है। आज प्रचलित विदेशी पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक और तकनीकी के क्षेत्रों की प्रमुखता है। उन्हीं को लेकर आपसी सहयोग अधिक दिखता है। दिल्ली में व्यापार प्रबंधन और महाराष्ट्र में होटल प्रबंधन के क्षेत्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग विशेष रूप से लोकप्रिय हो रहे हैं। ट्विनिंग प्रोग्राम अधिक सफल हैं जिनमें एक विद्यार्थी को देश और विदेश दोनों ही जगह पढ़ाई करनी होती है। यह कम खचीर्ला भी होता है। ब्रैंड नाम वाले बड़े विश्वविद्यालय के साथ जुड़ना भारतीय संस्था के लिए आकर्षक है। परीक्षा और मूल्यांकन की लचीली व्यवस्था और नौकरी की अधिक संभावना इन विदेशी डिग्रियों को मूल्यवान बनाते हैं। आज ज्ञानकर्मियों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता या आवाजाही के कारण विदेशी डिग्री की मांग तेजी से बढ़ रही है। ताजे आंकड़े बताते हैं कि तेरह लाख से कुछ ज्यादे भारतीय छात्र विदेश में गए और लगभग पचास हजार विदेशी छात्र भारत आए।

नई शिक्षा नीति शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य स्वीकार करती है। पढ़ने के लिए क्रेडिट व्यवस्था के तहत विदेशी अध्ययन के आन लाइन पाठ्यक्रम को भी मान्यता दी जाएगी। प्रत्येक विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों की देखरेख के लिए अधिकारी सुनिश्चित करेंगे तथा प्राचीन छात्र संगठन भी स्थापित होंगे। अकादमिक सहयोग के लिए ट्विनिंग, ज्वाईंट और डुएल डिग्री की संभावनाओं को हकीकत में लागू करने, प्रतिष्ठित विद्वानों को बुलाने, अकादमिक नेतृत्व के लिए प्रशिक्षण, विदेशी छात्रों को पूर्वनिश्चित संख्या से आगे जाकर प्रवेश देने का प्रावधान कुछ ऐसे उपाय अपनाने की बात है जो भारतीय शिक्षा को वैश्विक रूप दे सकेंगे। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण थोड़े से चुनिंदे लोगों के लिए ही है। नई शिक्षा नीति कहती है कि चुने हुए शीर्ष विश्वविद्यालयों में से कुछ को भारत में परिसर शुरू करने अवसर मिलेगा। भारतीय उच्च शिक्षा कई तरह से अंतरराष्ट्रीय बनाने का प्रावधान है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमरनाथ यात्रा को लेकर भारी उत्साह, इस बार टूटेंगे सारे रिकार्ड

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह की नकारात्मकता देखने को मिली, उससे लग रहा था कि इस बार श्री अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आएगी। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से ऐसा साफ हो चला है कि ऐसा नहीं होने जा रहा। आतंकी हमले के विरोध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर एवं पाकिस्तानी इलाकों में की गई एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद इस तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में श्री अमरनाथ यात्रा पर जाने वालों की संख्या में साल दर साल इजाफा हो रहा था, उससे लग रहा था कि पिछली यात्रा के एक साल बीतने के बाद इस साल बाबा अमरनाथ के दर्शन करने वाले भक्तों का रिकॉर्ड टूट जाएगा, संख्या 5.12 लाख को पार कर सकती है। हालांकि इस बार की यात्रा के लिए 37 दिन सुनिशचित किए गए हैं। जोकि पिछली बार की यात्रा से 15 दिन कम हैं। पिछले साल अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त तक कुल 52 दिनों तक चली थी। वहीं, इस साल यह यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। फिर भी भक्तों का जो अपने भगवान के प्रति दर्शन का उत्साह दिख रहा है, वह अभूतपूर्व है।

इस संबंध में हिस ने जब पर्यटन गतिविधियों और धार्मिक यात्राओं में शामिल संस्थानों के साथ ही यात्रा पर जानेवाले अन्य लोगों से बात की तो वे जहां पहले अमरनाथ यात्रा पर श्रद्धालुओं की संख्या को लेकर निराश दिखाई दे रहे थे, अब उनमें भारी उत्साह दिखा। देश की राजधानी दिल्ली में एक टूरिज्म कंपनी में काम करने वाली पूर्णिमा शर्मा ने बताया, उनकी कंपनी सिर्फ विदेशी पर्यटकों के लिए काम करती है। भारतीय मूल के कई लोग दुनिया के कई देशों में रहते हैं, उनमें से हर साल बड़ी संख्या में लोग भारत गंगा स्नान एवं पिंडदान करने आते हैं। इस दौरान वे टूरिस्ट पैकेज लेकर कई राज्यों में धार्मिक यात्राएं भी करते हैं। अमरनाथ यात्रा पर भी जाने वालों की अच्छी संख्या रहती है। इस बार भी बुकिंग आई है, जबकि पहले लग रहा था कि पहलगाम आतंकी घटना के बाद संख्या कम होगी, जैसा कि तुरंत में विदेशी पर्यटकों का रुख दिखा भी, पर अब हालात बेहतर हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं कि पिछली बार की तरह ही बड़ी संख्या में लोग इस यात्रा में शामिल होंगे।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रहने वाले शरद जैन हरिओमं शिवशक्ति अमरनाथ सेवा मंडल भोपाल के अध्यक्ष हैं, वे कहते हैं, ऑपरेशन सिंदूर के बाद लोगों में विश्वास जगा है, जहां पहले कई लोग इस साल अमरनाथ यात्रा पर जाने से मना कर रहे थे, अब वे स्वयं आगे आकर कह रहे हैं कि हमारा रजिस्ट्रेशन करवा दो। अभी तक मंडल द्वारा 200 से अधिक शिव भक्तों का ऑनलाइन पंजीयन करवाया गया है। भोपाल के अलावा छिंदवाड़ा, बैतूल, आमला, मुलताई, नर्मदापुरम के भक्त हमारे मंडल से जुड़कर अमरनाथ यात्रा करने हर साल जाते हैं। इस साल भी बड़ी संख्या में भक्त जाएंगे।

इनकी तरह ही बाबा अमरनाथ सेवा मंडल मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में हर साल श्रद्धालुओं को लेकर अमरनाथ यात्रा पर जाता है। मंडल के अध्यक्ष राम भरोज यादव का कहना है, अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए सीहोर जिले से हजारों यात्री 28 जून से जत्थों में जम्मू के लिए रवाना होंगे। ये यात्री मालवा एक्सप्रेस से यात्रा करेंगे। फिलहाल इस ट्रेन के स्लीपर और एसी कोच में लंबी वेटिंग चल रही है। यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए पूरे यात्रा काल में अतिरिक्त कोच लगाने की मांग मंडल द्वारा पश्चिम रेलवे रतलाम के उप क्षेत्रिय प्रबंधक से की गई है। अभी तक 300 से अधिक पंजीयन कराए जा चुके हैं। देश में टूरिज्म की बड़ी कंपनी इण्डियन हॉलिडे के सहायक प्रबंधक गंगेश गुंजन का कहना है, अमरनाथ यात्रा भावात्मक है, इसलिए पहलगाम में जो हुआ, उससे पूरे टूरिज्म सेक्टर में पर्यटन गिरावट दिखाई दे रही थी, वह दौर अब पीछे छूट चुका है। हमारी कंपनी के साथ दक्षिण भारत के राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं अन्य कई राज्यों से बुकिंग आई है। पहले लग रहा था कि इस बार कम ही लोग आतंकवादी घटना के बाद इस यात्रा पर जाएंगे, पर हम गलत थे, दिनों दिन संख्या बढ़ती जा रही है। गुंजन कहते हैं, हमारी कंपनी तीन से पांच दिन के ट्रवल टूर में संपूर्ण यात्रा हेलीकॉप्टर एवं हवाई जहाज की मदद से श्रद्धालु की उसके मूल गंतव्य स्थान से लेकर वापिस उसके घर तक पूरा करा देती है, फिर जैसी पर्यटक की अपनी आवश्यकता होती है, उस अनुसार उसके लिए पैकेज उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें होटल में रुकने से लेकर गुफा मंदिर के सभी स्थान यात्रा में शामिल रहते हैं। इसके लिए हम प्रायः छोटे रूट का इस्तेमाल करते हैं, जोकि पहलगाम होकर जाता है और बीच में सिर्फ एक ही ग्लेशियर पड़ता है, इसलिए यह यात्रा मौसम की मार से भी सुरक्षित रहती है। श्राइनबोर्ड की आनेवाली सभी एडवाइजरी का पालन करते हुए हम यात्रा को पूरा करते हैं।

दूसरी ओर टूरिज्म कंपनी के एक अन्य अधिकारी मंदीप सिंह ने हिस को बताया, पहलगाम आतंकी हमले के बाद विदेशों से जम्मू-कश्मीर आए टूरिस्टों की संख्या में कमी आई है, क्योंकि वे सभी अपने देश द्वारा निकाली गई एडवाइजरी को ध्यान में रखते हुए यात्रा करते हैं। इसके बाद भी जब ये घटना घटी थी तब कई लोगों ने अपनी यात्रा रद्द करने के लिए हमारी कंपनी में संपर्क किया था, फिर उनमें से बहुत लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने यात्रा का स्थान बदलवा लिया था, पर अब समय बीतने के साथ बहुत कुछ सामान्य हो चला है।

क्या है पेड़ों का संदेश?

- बाबा मायाराम

पेड़ों का महत्व सर्वविदित है। उनका स्वभाव देने का है। फल, फूल, पत्तियां, छाया तो देते ही हैं। मशहूर लेखक शेल सिल्वरस्टाइन की किताब गिविंग ट्री है, जिसकी हिन्दी में प्रस्तुति अरविंद गुप्ता ने की है। यह पुस्तिका बहुत ही प्रेरणादायक है। इसमें पेड़ जीवन भर क्या देता है, इसकी कहानी है। पेड़ औषधियों के काम आते हैं। नीम इनमें से एक है। नीम बहुत ही उपयोगी पेड़ है।

पेड़, हमें जीवन भर कुछ न कुछ देते रहते हैं। फल, फूल, पत्ते, हवा, छाया इत्यादि। अगर हमारे घर के आसपास पेड़ हैं, तो वो हमें सुकून व शांति देते हैं। विशेषकर, जब हम तनाव में होते हैं, परेशान होते हैं, तब पेड़ों की ओर जाते हैं, वे हमें राहत देते हैं। आज मैं इस कॉलम में पेड़ों के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे पेड़ और पर्यावरण को समग्रता में समझा जा सके।

बचपन से ही मेरा पेड़ों के साथ करीबी का नाता रहा है। घर के आसपास मधुकामिनी, इमली, नीम बेर, बील, करंज के पेड़ थे। पक्षियों के चहचहाने से ही सुबह की शुरूआत होती थी। दिन भर ठंडी हवा बहती रहती थी। गर्मी के दिनों में मधुकामिनी के फू लों की मीठी खुशबू हर तरफ होती थी। नीम के पत्ते हिलते रहते थे। इनकी शाखाओं पर पक्षी झूला झूलते थे और गाना गाते रहते थे।

पिछले कुछ सालों से मुझे देशभर में घूमने का मौका मिला है, जहां भी जाता हूं, पेड़, पहाड़, नदियां अपनी ओर खींचती ही हैं। मैं ऐसे लोगों व समुदायों से भी मिला हूं, जिन्होंने पेड़ लगाने व बचाने का काम किया है।

हमारे जिले नर्मदापुरम(मध्यप्रदेश) में ही काकड़ी नामक गांव, जो कुछ साल पहले ही नया बसा है, विस्थापित आदिवासी गांव है, उसे वहां के लोगों ने हरा-भरा कर लिया है। यहां जो पेड़ लगाए गए हैं, उनमें आम, अमरूद, नींबू, कटहल, जामुन, छीताफल, आंवला, पपीता, मुनगा, महुआ इत्यादि पेड़ शामिल हैं। बांस, सागौन और केवलार भी हैं। सभी लोग पौधों की देखरेख करते हैं। उनमें पानी व गोबर खाद देते हैं और जरूरत पड़ने पर गुड़ाई करते हैं। यह सब गांव की एकता से ही संभव हुआ है।

उत्तराखंड में सामाजिक कार्यकर्ता विजय जड़धारी, जो चिपको आंदोलन से भी जुड़े रहे हैं, उन्होंने उनके गांव जड़धार में उजड़े जंगल को घने जंगल में बदल दिया है। इस काम में उन्हें गांव को पूरा सहयोग मिला है। इससे वहां के सूख चुके जलस्रोत भी फिर से पानीदार हो गए हैं। यह टिहरी-गढ़वाल जिले में है। उनके गांव में गया हूं, उनके साथ इस जंगल में घूमा हूं। विजय जड़धारी बताते हैं कि टिहरी-गढ़वाल की चंबा-मसूरी पट्टी में पहले अच्छा और सुंदर जंगल था। इस गांव में भी था। पहाड़ के ढलानों से हरियाली की चादर हटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना रहता था। यहां के कई सदाबहार जलस्रोत सूख गए थे, तब गांववाले चिंतित हो उठे। इके होकर सोचने लगे, और वनों के जतन में जुट गए। वे आगे बताते हैं कि जड़धार गांव के लोगों ने मिलकर तय किया कि जंगल को बचाया जाए। इसके लिए एक वन सुरक्षा समिति बनाई गई। जंगल से किसी भी तरह के हरे पेड़, ठूंठ, यहां तक कि कंटीली हरी झाड़ियों को काटने पर रोक लगाई गई। कोई भी व्यक्ति यदि अवैध रूप से हरी टहनी या झाड़ी काटता है तो उस पर जुमार्ना लगाया जाएगा, ऐसा तय किया गया।

कुछ समय के लिए पशु चरने पर भी रोक लगाई गई। कोई व्यक्ति वनों को किसी प्रकार नुकसान न पहुंचाए, यह सुनिश्चित किया गया। यह काम गांव की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया जिसमें जरूरत पड़ने पर थोड़ा बहुत फेरबदल किया जा सके।

शांति स्थापित करने के बजाय हम पर दबाव बढ़ा रहा है फ्रांस : रूस

मॉस्को/पेरिस। रूस ने कहा है कि फ्रांस शांति की कोशिश नहीं कर रहा है बल्कि उसके ऊपर दबाव बढ़ा रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रूसी पत्रकार पावेल ज़ारुबिन से कहा, फ्रांस शांति की राह पर नहीं है। फ्रांस रूस पर दबाव बढ़ाने की राह पर है। उन्होंने कहा कि यह खेदजनक है कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वास्तविक स्थिति को नहीं समझ पाए और उनका मानना था कि दबाव उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, केवल इस बात पर खेद व्यक्त किया जा सकता है कि फ्रांसीसी राष्ट्र के प्रमुख वास्तविक स्थिति को नहीं समझते हैं। श्री इमैनुएल मैक्रों ने बार-बार रूस विरोधी बयान और प्रस्ताव दिए हैं। मार्च में उन्होंने दावा किया कि रूस कथित तौर पर फ्रांस और यूरोप के लिए खतरा बन गया है और पूरे यूरोपीय संघ की रक्षा के लिए फ्रांस के परमाणु हथियारों के उपयोग पर चर्चा करने का आह्वान किया। क्रेमलिन ने इन टिप्पणियों को बेहद टकरावपूर्ण बताया।

कामिल इदरीस ने ली सूडान के प्रधानमंत्री पद की शपथ

खार्तूम। श्री कामिल इदरीस ने सूडान के नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्री इदरीश ने सत्तारूढ़ संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान के समक्ष शपथ ली। परिषद ने एक बयान में कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद श्री बुरहान और परिषद अन्य सदस्यों ने श्री इदरीस से मुलाकात की और सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की, जिसमें अर्थव्यवस्था को स्थिर करना, नागरिक आजीविका की रक्षा करना और राज्यों में व्यवस्था बहाल करना शामिल है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के रूप में श्री इदरीस की नियुक्ति 19 मई को श्री बुरहान द्वारा जारी एक संवैधानिक डिक्री के माध्यम से औपचारिक रूप से की गई थी। श्री बुरहान सूडानी सशस्त्र बलों के कमांडर के रूप में भी कार्य करते हैं। इस निर्णय का संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ आयोग एवं विकास पर अंतर-सरकारी प्राधिकरण (आईजीएडी) ने स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में श्री बुरहान के नेतृत्व में सैन्य तख्तापलट करने और जनवरी 2022 में श्री अब्दुल्ला हमदोक के इस्तीफे के बाद से प्रधानमंत्री का पद खाली था। श्री हमदोक और अन्य नागरिक नेताओं को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके कुछ बाद उन्होंने पद छोड़ दिया था और कहा था कि सूडान एक 'खतरनाक मोड़' पर है क्योंकि सैन्य शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ट्रम्प जल्द करेंगे नासा प्रमुख के नाम की घोषणा: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के नये प्रमुख के नाम की घोषणा करेंगे। यह जानकारी व्हाइट हाउस दी है। इससे पहले श्री ट्रम्प ने टेक अरबपति जेरेड इसाकमैन को नासा के प्रमुख के रूप में नामित किया था, जो प्रसिद्ध उद्यमी एलन मस्क के करीबी सहयोगी हैं। एजेंस फ्रांस-प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने कहा, यह जरूरी है कि नासा का अगला प्रमुख ऐसा व्यक्ति हो जो राष्ट्रपति ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के साथ पूरी तरह से ठीक बैठता हो। राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा जल्द ही इसके बारे में घोषणा की जाएगी। इससे पहले अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों का हवाला से अपनी रिपोर्ट में बताया था कि श्री ट्रम्प इसाकमैन के नामांकन को वापस लेना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने चार दिसंबर, 2024 को नासा प्रमुख के पद के लिए श्री इसाकमैन को नामित किया था। इसके बाद अप्रैल के अंत में वाणिज्य, विज्ञान और परिवहन के लिए सीनेट समिति ने श्री इसाकमैन की इस पद पर पुष्टि की सिफारिश की थी।

रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पुल ढहने से सात की मौत, 35 घायल

मास्को। रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पुल ढहने के कारण सात लोगों की मौत हो गयी तथा 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने यह जानकारी दी है। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, पाँच और लोगों ने चिकित्सा सहायता मांगी। फिलहाल घटना के कारण सात लोगों की मौत हो गई है और 35 घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। एक बच्चे को एयर एम्बुलेंस द्वारा मास्को ले जाया जाएगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि ब्रांस्क क्षेत्र के विगोनिचस्की जिले में एक पुल ढह गया है। इस हादसे में सात लोगों की मौत हुयी है और 30 लोग घायल हुए हैं। मास्को रेलवे की रिपोर्ट के अनुसार क्लिमोव-मास्को मार्ग पर यात्री ट्रेन नंबर 86 के लोकोमोटिव और डिब्बे परिवहन संचालन में अवैध हस्तक्षेप के कारण यह हादसा हुआ।

मध्यपूर्व में शांति प्रयासों को झटका: अमेरिकी दूत विटकॉफ ने हमास की प्रतिक्रिया को 'अस्वीकार्य' बताया

एजेंसी

वाशिंगटन/गाजा। गाजा संघर्ष के बीच चल रही संघर्षविराम वार्ताओं को लेकर अमेरिका ने हमास की प्रतिक्रिया को पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। अमेरिका के मध्यपूर्व विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हमास के ताजा जवाब पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमास की प्रतिक्रिया हमें पीछे ले जाती है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, हमास को उस रूपरेखा को स्वीकार करना चाहिए जिसे हमने आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया है, ताकि इस सप्ताह से ही 'प्रॉक्सिमिटी टॉक्स' (परोक्ष वार्ता) शुरू की जा सके। विटकॉफ ने यह भी कहा कि प्रस्तावित 60 दिन के संघर्षविराम के भीतर आधे जीवित बंधकों और मृतकों के शवों की वापसी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा, यह एकमात्र रास्ता है जिससे हम सार्थक और सद्भावनापूर्ण स्थायी संघर्षविराम तक पहुंचने के प्रयास कर सकते हैं। इससे पहले, हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने संघर्षविराम प्रस्ताव के जवाब में कुछ संशोधन सुझाए हैं। हमास ने यह स्पष्ट किया कि उसका जवाब स्थायी संघर्षविराम, इजराइली सेना की पूर्ण वापसी और मानवीय सहायता की अबाध आपूर्ति की मांगों के दायरे में है। प्रस्ताव के तहत हमास 10 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा करने और 18 शवों को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते एक तय संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, मिस्र और कतर के नेतृत्व में चल रही इन वार्ताओं का मकसद लगभग 20 महीने से जारी गाजा संघर्ष को समाप्त करना है। हालांकि, हालिया गतिरोध से यह स्पष्ट है कि संघर्षविराम की राह अब भी कठिन बनी हुई है।

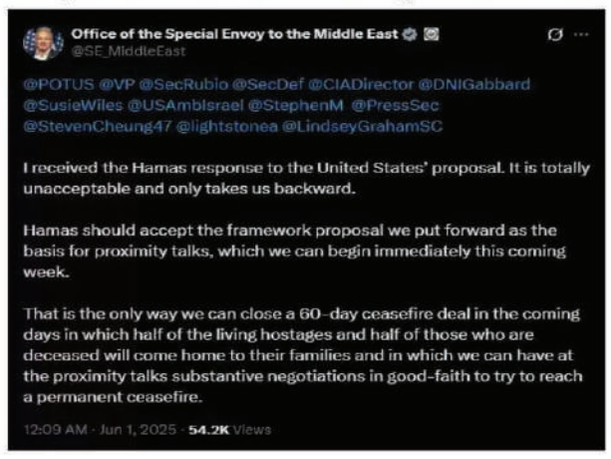

नाइजीरिया में बाढ़ से भारी तबाही, मोक्का में 151 लोगों की मौत

एजेंसी

अबुजा (नाइजीरिया)। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तरी नाइजरी राज्य में बाढ़ से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। अकेले मोक्का में इस आपदा में कम से कम 150 लोग मारे गए। भारी बारिश से हालात मुश्किल हो गए हैं। शनिवार सुबह 9 बजे तक 151 शव बरामद किए गए हैं। इनमें कई बच्चों के शव भी शामिल हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार राज्य की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता इब्राहिम हुसैनी ने कहा कि 3,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मोक्का निवासी 26 वर्षीय हसन अब्दुल्लाही ने बताया कि घर में पानी भर जाने से उनके परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें उनकी मां और 4 से 8 साल की उम्र के दो भतीजे और भतीजियां शामिल हैं। बाढ़ में सब कुछ बरबाद हो गया। सारा सामान बह गया है। इस आपदा पर राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने वादा किया है कि संघीय सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नाइजर राज्य के मोक्का में हर बाढ़ प्रभावित की यथासंभव मदद की जाए। उन्होंने बाढ़ आपदा पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र सक्रिय है। खोज और बचाव अभियान जारी है।

हमास ने चल रही वार्ता के बीच गाजा के लिए अमेरिकी युद्धविराम योजना में बदलाव की मांग की

एजेंसी

तेल अवीव/गाजा। अमेरिका द्वारा प्रस्तुत नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर हमास ने प्रतिक्रिया देते हुए कुछ बिंदुओं पर संशोधन की मांग की है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी आपत्तियां विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई की समय-सीमा, मानवीय सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेनाओं की वापसी से संबंधित हैं। हमास की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्धविराम, गाजा से सम्पूर्ण इजराइली वापसी और सुनिश्चित सहायता आपूर्ति है। हमास ने यह भी कहा कि वह 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के शवों को निर्धारित संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले सौंपने के लिए तैयार है। वहीं, इजराइली अधिकारियों ने अमेरिका के इस प्रस्ताव को अस्थायी युद्धविराम के रूप में मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा कि वार्ताकार एक समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं।

गाजा में गहराता मानवीय संकट

इसी बीच, गाजा में भूख और कुपोषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के अनुसार, भूखे फिलिस्तीनियों ने दर्जनों खाद्य ट्रकों को रोककर उनमें से अधिकांश खाद्य सामग्री उतार ली। संगठन के मुताबिक, 77 ट्रक अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों द्वारा रोक लिए गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि उसके पास 1.4 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न तैयार है, जो गाजा की पूरी आबादी को दो महीने तक भोजन उपलब्ध करा सकता है, लेकिन इसके वितरण में सुरक्षा और अनुमति की बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं।

थाईलैंड की सुंदरता का जलवा, ओपल बनीं मिस वर्ल्ड

एजेंसी

वाशिंगटन। 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल 2025 का भव्य फिनाले आज हैदराबाद के हाईटेक्स एग्ज़िबिशन सेंटर में धूमधाम से आयोजित हुआ। इस प्रतिष्ठित खिताब पर इस बार थाईलैंड ने कब्जा जमाया। थाईलैंड की प्रतिनिधि, ओपल सुचाता चुआंगसरी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 72वीं मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम किया। भारत की ओर से भाग ले रहीं कोटा, राजस्थान की नंदिनी गुप्ता एशिया कॉन्टिनेंटल टॉप-2 तक भी नहीं पहुंच सकीं, जिससे भारत के लिए सातवीं बार यह खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। दुनियाभर से आई सुंदरियों और दर्शकों की मौजूदगी में यह आयोजन बेहद भव्य और यादगार रहा।मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए दुनिया भर के 108 देशों से खूबसूरत प्रतिभागी हैदराबाद पहुंचीं थीं। इनमें से भारत की नंदिनी गुप्ता समेत 40 प्रतिभागियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से ग्रैंड फिनाले के लिए जगह बनाई थी। हालांकि, भारत की उम्मीदों को झटका लगा जब नंदिनी गुप्ता प्रतियोगिता से पहले ही बाहर हो गईं। इस साल मिस वर्ल्ड का ताज थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी के सिर सजा, जिन्होंने अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता मिस वर्ल्ड की चेयरपर्सन जूलिया मोर्ले ने की, जबकि निर्णायक मंडल में बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद, जानी-मानी उद्यमी सुधा रेड्डी और मिस इंग्लैंड 2014 कैरिना टायरेल शामिल थीं।

सीरिया और सऊदी अरब आर्थिक साझेदारी को देंगे नई रफ्तार, प्रतिबंधों में ढील के बाद निवेश के रास्ते खुले

एजेंसी

दमिश्क। पश्चिमी देशों द्वारा सीरिया पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में हालिया ढील के बाद सीरिया और सऊदी अरब ने आपसी आर्थिक सहयोग को बढ़ाने का निर्णय लिया है, ताकि दोनों देशों को पारस्परिक लाभ मिल सके और युद्धग्रस्त सीरिया में नौकरियों के नए अवसर सृजित किए जा सकें। यह घोषणा सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान की दमिश्क यात्रा के दौरान की गई, जहां उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शराआ और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। प्रिंस फैसल ने कहा कि अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा इस महीने की शुरुआत में लगाए गए प्रतिबंधों में ढील से सीरिया की ठप पड़ी अर्थव्यवस्था को फिर से गति मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि सऊदी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही सीरिया का दौरा करेगा और तेल, बुनियादी ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सऊदी अरब और कतर मिलकर सीरिया के सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे> हालांकि इस संबंध में उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी। प्रिंस फैसल ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सीरिया के पुनर्निर्माण और आर्थिक पुनरुत्थान की यात्रा में सऊदी अरब अग्रणी भूमिका निभाएगा। सीरियाई विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने भी इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच सहयोग के एक नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर यह साझेदारी सीरिया के विकास की नींव रखेगी। इस ऐतिहासिक बैठक से दो दिन पहले, सीरिया ने कतर, तुर्की और अमेरिकी कंपनियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है, जिसके तहत 5000 मेगावाट की ऊर्जा परियोजना विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य युद्ध से क्षतिग्रस्त विद्युत ढांचे को फिर से दुरुस्त करना है।

गाजा में 13 मई को सिलसिलेवार एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास नेता मुहम्मद सिनवार: आईडीएफ

जेंसी

तेल अवीव/गाजा। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि बीते 13 मई को गाजा के दक्षिणी क्षेत्र खान यूनिस में किए गए एक बेहद सटीक हवाई हमले में हमास के वरिष्ठ नेता मुहम्मद सिनवार मारे गए। इस हमले में 30 सेकंड में 50 से अधिक बम गिराए गए थे। अनुसार, यह हमला खान यूनिस स्थित यूरोपीय अस्पताल के नीचे फैले हमास के भूमिगत सुरंग नेटवर्क और कमांड सेंटर को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में सिनवार के अलावा राफा ब्रिगेड के कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन के कमांडर महदी क्रारा भी मारे गए। सेना ने यह भी दावा किया कि सभी मिसाइलें सटीक थीं और अस्पताल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस पुष्टि के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल काज ने एक तीखा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अब यह आधिकारिक है कि हत्यारा मुहम्मद सिनवार, राफा ब्रिगेड प्रमुख मुहम्मद शबाना और उनके साथियों के साथ मारा गया। उसे अपने भाई के पास नर्क के दरवाजे पर भेज दिया गया।काज ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के गाजा सिटी कमांडर इज्ज अल-दीन हद्दाद और विदेश में बैठे नेता खलील अल-हय्या तथा अन्य उनके साथी भी तैयार रहें, आप अगली पंक्ति में हैं।

इंडोनेशिया में खदान धंसने से मृतकों की संख्या 17 हुई, राहत कार्य जारी

एजेंसी

सिरेबोन। इंडोनेशिया के वेस्ट जावा प्रांत में स्थित एक पत्थर की खदान के धंसने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। गुनुंग कुडा खदान, जोकि सिरेबोन जिले में स्थित है, शुक्रवार को अचानक धंस गई थी। अब भी 8 लोग लापता हैं, जिन्हें मलबे से निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुमार्नी ने बताया कि अब तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि एक घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि राहत दल अब भी लापता लोगों की तलाश कर रहा है, लेकिन खराब मौसम, अस्थिर जमीन और कठिन भू-भाग अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने खदान मालिक समेत 6 लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच के अनुसार खदान सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरती थी। वेस्ट जावा के गवर्नर डेडी मुल्यादी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश में बताया कि उन्होंने इस खदान का दौरा अपने चुनाव से पहले किया था और तब ही उसे खतरनाक पाया था। उन्होंने कहा कि उस समय मेरे पास इसे बंद कराने का अधिकार नहीं था। अब गवर्नर बनने के बाद मुल्यादी ने इस खदान सहित चार अन्य अवैध खनन स्थलों को बंद करने का आदेश दिया है।

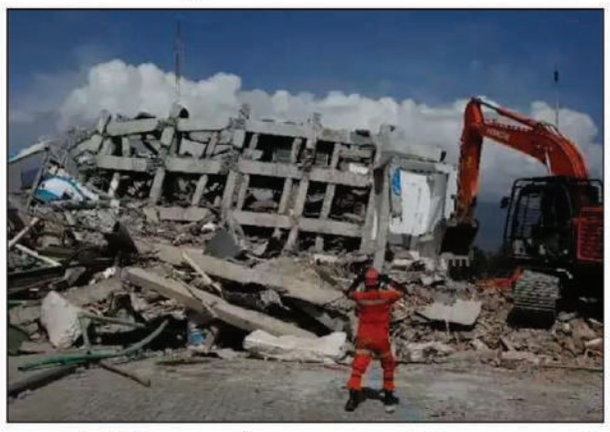

बचाव कार्य में बाधा बना हुआ है। खदान के धंसने के पीछे का कारण

नेपाल में राजतंत्र समर्थकों ने तीसरे दिन भी किया प्रदर्शन, प्रधानमंत्री निवास घेरा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की वापसी और हिन्दू राष्ट्र की घोषणा की मांग करते हुए राजशाही समर्थकों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रधानमंत्री निवास की तरफ जा रही भीड़ को रोकने का प्रयास सुरक्षा बलों ने किया, लेकिन भारी भीड़ की वजह से यह संभव नहीं हो पाया। बाद में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री निवास का घेराव किया। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में लगातार तीसरे दिन आज राजदरबार के आगे प्रदर्शन की घोषणा की गई थी। सरकार ने इस प्रदर्शन को रोकने के लिए एक दिन पहले ही पूरे राजदरबार के आसपास के इलाकों में निषेधाज्ञा लगाते हुए किसी भी तरह के सभा, जुलूस, प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी।इसके विरोध में प्रदर्शनकारियों ने राजदरबार के बदले प्रधानमंत्री निवास के घेराव की योजना बनाई। काठमांडू के रत्नपार्क से प्रदर्शनकारियों की भीड़ प्रधानमंत्री के सरकारी आवास की तरफ बढ़ने लगी। अचानक से बदली रणनीति के बाद भारी संख्या में पुलिस वालों को तैनात किया गया। रत्नपार्क से प्रधानमंत्री निवास की तरफ जा रही भीड़ को रोकने का प्रयास सुरक्षा बलों ने किया, लेकिन भारी भीड़ की वजह से यह संभव नहीं हो पाया। आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले हैं और सुरक्षा बलों से भी संयमित होने की अपील करते हैं। तीसरे दिन का प्रदर्शन भी बिना किसी झड़प और टकराव के शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हो गया। आरपीपी ने इसके लिए सभी को धन्यवाद देते हुए कल के प्रदर्शन में फिर से आने की अपील की है।

रूस-यूक्रेन वार्ता का नया दौर दो जून को होने की उम्मीद

मॉस्को/इस्तांबुल। रूस-यूक्रेन वार्ता का नया दौर इस्तांबुल में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन के कार्यालय में होने की उम्मीद है।सूत्रों ने कहा,सबसे अधिक संभावना है कि यह दौर फिर से डोलमाबाहचे में कार्यालय में होगा। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने कहा कि इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ संभावित आगामी वार्ता में रूस वार्ता प्रक्रिया के लिए दोनों पक्षों के दृष्टिकोणों पर ज्ञापनों का आदान-प्रदान करने का प्रस्ताव करता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले यूक्रेन को 15 मई को इस्तांबुल में बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी वार्ता फिर से शुरू करने का सुझाव दिया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यूक्रेन के साथ प्रस्तावित वार्ता का उद्देश्य संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करना और रूस के हितों को सुनिश्चित करना है। रूसी प्रतिनिधिमंडल 15 मई को इस्तांबुल पहुंचा, लेकिन दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच कोई संपर्क नहीं हुआ। यह बैठक अगले दिन हुई और लगभग दो घंटे तक चली। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की ने कहा कि दोनों देश संभावित युद्ध विराम के अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए सहमत हुए हैं। श्री मेडिंस्की ने यूक्रेन के साथ बातचीत जारी रखने के लिए रूस की तत्परता भी बताई।

श्रीलंका में खराब मौसम के कारण 6000लोग प्रभावित

एजेंसी

कोलंबा। श्रीलंका में खराब मौसम के कारण लगभग 6,000 लोग प्रभावित हुये हैं।

आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार प्रतिकूल परिस्थितियों ने 1,579 परिवारों के 5,974 व्यक्तियों को प्रभावित किया है, जबकि 1,545 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इस बीच, श्रीलंका के सरकारी सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) ने मानसून में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण शुक्रवार रात आठ बजे तक 50,000 से अधिक बार बिजली कटौती की सूचना दी है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटों तक भारी बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवायें चलने के आसार हैं। लोगों को गरज के साथ स्थानीय तेज हवाओं और बिजली गिरने से बचने के लिये सावधानी बरतने की सलाह दी गयी है। श्रीलंका की भौगोलीय स्थिति को देखते हुये इस तरह के खराब मौसम में ऐसी घटनाओं की आशंका अधिक रहती है।गौरतलब है कि श्रीलंका में दक्षिण-पश्चिम मानसून (मई से सितंबर) और पूर्वोत्तर मानसून (दिसंबर से मार्च) दो मुख्य मानसून मौसम होते हैं। इन अवधियों में अक्सर भारी वर्षा, तेज़ हवायें चलती हैं और व्यापक बाढ़ और भूस्खलन होती रहती हैं, जिसके कारण बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचता है, परिवहन, मोबाइल संचार जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ता है और बड़े पैमाने पर बिजली कटौती होती है।

मूल कारणों के समाधान तक यूक्रेन में जारी रहेगा सैन्य अभियान:रूस

एजेंसी

मॉस्को। वरिष्ठ रूसी अधिकारियों ने कहा है कि यूक्रेन में सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा जब तब संघर्ष के मूल कारणों का समाधान नहीं हो जाता और शांति समझौतों की औपचारिक पुष्टि नहीं हो जाती। रूसी स्टेट ड्यूमा की रक्षा समिति के अध्यक्ष एंड्री कार्टापोलोव ने बिना शर्त युद्ध विराम की संभावना से इनकार करते हुए कहा, हमारा देश तब तक अपना हमला जारी रखेगा जब तक कि चीजें 'लिखित रूप में नहीं रखी जातीं। रूस के सरकारी मीडिया ताश (टीएएसएस) के अनुसार, देश की संघीय टीवी एजेंसी चैनल वन पर श्री कार्टापोलोव ने कहा, हम केवल युद्ध विराम के लिए सहमत नहीं होंगे। जब सब कुछ लिखित रूप में रखा जाता है, कानून में पारित किया जाता है, संसदों द्वारा पुष्टि की जाती है, और एक वास्तविक, स्थायी समझौते का हिस्सा बन जाता है - तभी शांति पर विचार किया जा सकता है। तब तक, विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा।

क्रिकेटर रिंकू सिंह करने जा रहे शादी, सपा सांसद संग लेंगे सात फेरे, 8 जून को सगाई; शादी भी इसी साल

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय क्रिकेट टीम के मशहूर खिलाड़ी रिंकू सिंह शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। वह समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सात फेरे लेंगे। दोनों ने रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी का फैसला लिया। सगाई 8 जून को लखनऊ में होगी, जबकि शादी इसी साल 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी।

सगाई की तारीखः 8 जून 2025
सगाई की जगहः लखनऊ
शादी की तारीखः 18 नवंबर 2025
शादी की जगह :होटल ताज, वाराणसी

रिंकू और प्रिया की लव स्टोरी

प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज, जो समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद हैं ने बताया कि उनकी बेटी की एक दोस्त के पिता क्रिकेटर हैं। उन्हीं के जरिए प्रिया और रिंकू की पहली मुलाकात हुई थी। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई और अब वे शादी करने जा रहे हैं।

इंग्लैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज विंडीज वनडे सीरीज से बाहर

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन दाहिनी छोटी उंगली में फ्रैक्चर के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बचे हुए वनडे और आगामी टी20आई सीरीज से बाहर हो गए हैं। ओवरटन को यह चोट गुरुवार को एजबेस्टन में पहले वनडे में इंग्लैंड की जीत के दौरान लगी, जब उन्होंने कीसी कार्टी का तेज रिटर्न कैच छोड़ा और तुरंत इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए। जैकब बेथेल ने ओवरटन का ओवर पूरा किया और बाद में उंगली पर भारी पट्टी बंधे होने के बावजूद मैदान पर लौटे। उन्होंने 5.2 ओवर में 3/22 के गेंदबाजी आंकड़े दिए। शुरू में इसे उंगली का उखड़ना समझा गया, लेकिन अब इसकी पुष्टि फ्रैक्चर के रूप में हुई है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा कि वह अब इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजरेंगे। वनडे टीम में कोई रिप्लेसमेंट नहीं जोड़ा जाएगा। इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान हैरी ब्रूक ने अपनी कप्तानी की शुरुआत में जीत के बाद कहा कि यह लड़कों का शानदार प्रदर्शन था। मैं बार-बार यही कह रहा हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में बड़े रन बनाएं। गेंदबाजी इकाई के रूप में मैदान के आयामों के अनुसार गेंदबाजी करें। फील्डिंग इकाई के रूप में प्रतिबद्ध रहें और गेंद का पीछा करें।

इतिहासकार को बैग उठाने वाला बोला, शोएब अख्तर को आया मानहानि का नोटिस

कराची। पाकिस्तान के जाने-माने क्रिकेट इतिहासकार, लेखक और टेलीविजन शख्सियत डॉ. नौमान नियाज ने उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाते हुए पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को नोटिस भेजा है। सरकारी स्वामित्व वाले पाकिस्तान टेलीविजन नेटवर्क (पीटीवी) के पूर्व खेल निदेशक डॉ. नियाज ने अपने वकील के माध्यम से यह नोटिस भेजा है। अख्तर ने कथित तौर पर उनके पाकिस्तान टीम के साथ कार्यकाल के दौरान उन्हें 'किट मैन' बताया था। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि डॉ. नियाज मूल रूप से टीम में हमारे लिए बैग और सामान ढोते थे।' अख्तर जब पाकिस्तान टीम के खेलते थे तब डॉ. नियाज ने कुछ दौरों पर पाकिस्तान टीम के डेटा विश्लेषक के रूप में काम किया था। अख्तर ने टीम में कोचों और प्रबंधकों की भूमिका की आलोचना करते हुए बताया कि कैसे डॉ. नियाज खिलाड़ियों के बैग ढोने के लिए टीम में थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम में यही काम किया। मुझे उनके किसी और काम के बारे में जानकारी नहीं है। डॉ. नियाज के वकील ने इस नोटिस में 14 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और हर्जाने का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इन दोनों के बीच पहले भी टकराव हो चुका है। इमरान खान की सरकार के समय में डॉ. नियाज ने मामूली विवाद के बाद अख्तर को पीटीवी पर लाइव शो छोड़ने के लिए कहा था। एक मंत्री के हस्तक्षेप पर उन्होंने बाद में इस तेज गेंदबाज से माफी मांगी और दोनों ने तब विवाद सुलझा लिया था।

वनडे में लागू होंगे नए नियम, 34 ओवर के बाद बदलेगी गेंद, अगर...

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) जुलाई 2025 से वनडे क्रिकेट में नए नियम लागू करने की तैयारी में है। उक्त जानकारी एक हालिया रिपोर्ट में सामने आई है। इन नए नियमों का उद्देश्य खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है। विशेष रूप से, वनडे क्रिकेट में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम में बदलाव किया जा रहा है, जिसके तहत अब पारी के अंत तक एक ही गेंद का उपयोग होगा। यह बदलाव रिवर्स स्विंग को फिर से लाने और बल्ले व गेंद के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वनडे मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद चुननी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से लागू होगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिपः इंडियन वॉरियर्स की जीत की हैट्रिक, एशियन किंग्स टूर्नामेंट से बाहर

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (ग्रेटर नोएडा) में खेले जा रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप के पांचवे दिन इंडियन वॉरियर्स ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए एशियन किंग्स को डीएलएस पद्धति के तहत 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह वॉरियर्स की लगातार तीसरी जीत रही, जिससे वे पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

इस मुकाबले में एशियन किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। ओपनर इम्तियाज अहमद और तिलकरत्ने दिलशान की अनुभवी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। इम्तियाज (19) के आउट होने के बाद किंग्स की पारी लड़खड़ा गई। दिलशान (23) ने कुछ देर तक मोर्चा संभाला, लेकिन लगातार गिरते

विकेटों ने उन पर दबाव बना दिया और वे सुमित सिंह की गेंद पर पगबाधा हो गए। इसके बाद उमंग शर्मा (25) और बिपुल शर्मा (48) ने पारी को फिर से संभाला, और अंत में अमित मिश्रा की तूफानी 6 गेंदों में 24 रन की पारी ने स्कोर को 195 रन तक पहुंचाया, जो कि मुकाबले को प्रतिस्पर्धी बना गया। 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत लड़खड़ाई और उन्होंने केवल 10 रन पर कप्तान प्रियंक पंचाल का विकेट खो दिया। लेकिन इसके बाद बल्लेबाजों ने मोर्चा संभाल लिया। 9 ओवर के बाद बारिश ने खेल में खलल डाला, उस समय वॉरियर्स 3 विकेट पर 87 रन बना चुके थे। डीएलएस मैथड के अनुसार उन्हें अगली 30 गेंदों में 63 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। मौसिफ खान (31), केदार देवधर (33), पवन नेगी नाबाद (42) और 12 गेंदों में ताबड़तोड़ 33 रन बनाकर अरुण छपराना की दमदार पारियों की बदौलत वॉरियर्स ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अरुण छपराना को मैन ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया।

फोर नेशंस टूर्नामेंटःभारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरुआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शूटआउट में निकला। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

मध्यप्रदेश लीग का सीजन 2 रचेगा इतिहासः ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

इंदौर। केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आगामी मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) सीजन 2 को 'ऐतिहासिक' बताते हुए इसे प्रदेश के खेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया है। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 12 जून से ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट संघ (जीडीसीए) द्वारा एमपीसीए के तत्वावधान में आयोजित यह पुरुषों की टी20 लीग, पिछले सीजन की अपार सफलता के बाद और भी व्यापक रूप में सामने आ रही है। इस बार दो नई टीमों- चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स को जोड़ा गया है, जिससे कुल टीमों की संख्या सात हो गई है। सिंधिया ने कहा, 'मध्यप्रदेश लीग ने देश की क्रिकेट लीगों में पहले ही अपनी खास जगह बना ली है। मुझे विश्वास है कि यह सीजन न केवल रोमांचक होगा, बल्कि इतिहास भी रचेगा। हमारे कई युवा खिलाड़ी पहले ही आईपीएल में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं और यह मंच भविष्य के सितारों को जन्म देगा। इस साल एमपीएल ने हरित

पहल के रूप में एक नई शुरुआत की है। सिंधिया ने बताया कि इस बार एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है, जिसमें हर डॉट बॉल पर एक पेड़ लगाया जाएगा। यह सिर्फ खेल नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

एमपीएल क्रिकेट क्लैश ऐप लॉन्चःफैंस के रोमांच को और बढ़ाने के लिए एमपीएल ने 'एमपीएल क्रिकेट क्लैश' नाम से एक एक्सक्लूसिव मोबाइल गेमिंग ऐप भी लॉन्च किया है। यह एक फ्री टू प्ले गेम है, जिसमें उपयोगकर्ता वर्चुअली अपनी पसंदीदा टीम चुनकर लीग का आनंद ले सकते हैं।

महिला लीग की नई शुरुआत

सीजन-2 से महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है। पुरुषों के मैचों के साथ ही महिला मुकाबले भी खेले जाएंगे। महिला लीग में तीन टीमें भोपाल वोल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स भाग लेंगी।

शुभमन गिल के समर्थन में शिखर धवन, कहा- टेस्ट कप्तानी के लिए बिल्कुल सही विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया गया है। कुछ लोगों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है तो कुछ ने गिल का समर्थन किया है। गिल के समर्थकों में एक नाम पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन उर्फ गब्बर का भी जुड़ गया है।

धवन मानते हैं कि गिल टेस्ट कप्तान के रूप में बुलकुल सही विकल्प हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह फैसला लिया गया है। धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

वह एक बेहतरीन प्रतिभा है और परिपक्व हो गया है। वह कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए खेल रहा है। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए एकदम सही उम्मीदवार है, और मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा। यह अब नई पीढ़ी है - जेन जेड - और मुझे विश्वास है कि वह शानदार

काम करेगा। मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) जीतने के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) का भी समर्थन करते हुए उन्हें एक संतुलित टीम कहा। उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा। मुंबई इंडियंस की टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है - वे बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उन्होंने गति प्राप्त की है वह शानदार है और वे एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिपः भाला फेंक में सचिन यादव ने जीता रजत, अरशद नदीम को स्वर्ण

एजेंसी

गुमी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट सचिन यादव ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा और दविंदर सिंह कांग जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। सचिन यादव लंबे समय तक मेडल की दौड़ से बाहर थे, लेकिन अंतिम दो प्रयासों में उन्होंने बाजी पलट दी। उन्होंने 83.03 मीटर और 85.16 मीटर के दमदार थ्रो कर सीधे दूसरे स्थान पर छलांग लगा दी और रजत पदक अपने नाम किया। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने प्रतियोगिता में दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास से लय पकड़ी और

86.40 मीटर का जबरदस्त थ्रो करते हुए पहले स्थान पर कब्जा जमाया। उन्होंने आखिरी थ्रो में भी अपने प्रदर्शन को बेहतर किया। भारत के एक और भाला फेंक एथलीट यशवीर सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 82.57 मीटर की थ्रो के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ हासिल किया और पांचवें स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्वालिफाई करने के लिए 85.50 मीटर की थ्रो अनिवार्य है, जो सचिन और यशवीर दोनों से थोड़ी दूर रह गई।

किसान परिवार से निकला सितार

उत्तर प्रदेश के बागपत के पास खेकड़ा गांव के एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले सचिन यादव की यह थ्रो उनके करियर की दूसरी सर्वश्रेष्ठ रही। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 84.39 मीटर का था। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने इस प्रतियोगिता से किनारा कर डायमंड लीग पर फोकस करने का निर्णय लिया। उन्होंने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की दूरी पार कर इतिहास रचा था।

केएल राहुल ने BCCI से भारत ए टीम में चयन का किया आग्रह, जल्द इंग्लैंड के लिए होंगे रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल के सबसे बहुमुखी क्रिकेटरों में से एक केएल राहुल अपनी इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स को प्रतियोगिता के प्लेऑफ में नहीं पहुंचा पाए। दिल्ली अंततः 5वें स्थान पर रही। हालांकि शीर्ष 4 में जगह बनाने में विफल रहने पर राहुल ने कथित तौर पर खुद को भारत ए के इंग्लैंड दौरे के लिए उपलब्ध कराकर अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी में शामिल होने का फैसला किया है। राहुल ने कथित तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि वह दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलना चाहते हैं। श्रृंखला की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में पहले मैच से हो गई है। हालांकि राहुल उस मैच के लिए समय पर टीम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन कहा जा रहा है कि वह दूसरे मैच के लिए टीम में जगह बनाने के लिए उत्सुक हैं। इस इरादे से बीसीसीआई और चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को भी अवगत करा दिया गया है। सूत्र के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, वह उड़ान भरेंगे और भारत ए की ओर से दूसरा अनौपचारिक टेस्ट खेलेंगे। चूंकि वह सीनियर पुरुष टीम का हिस्सा हैं, जो सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेलेगी, इसलिए इन मैचों से उन्हें खेलने का समय और मैच अभ्यास मिलेगा।' इंग्लैंड लायंस और भारत ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट 06 जून से शुरू होगा। इसके बाद सीनियर भारतीय टीम 13 जून को बेकेनहैम में एक इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल होगी। 5 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून को लीड्स में शुरू होगा।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : अनिमेष कुजूर ने 200 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर जीता कांस्य

एजेंसी

गुमी। भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ 20.32 सेकंड में पूरी करका राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) अपने नाम किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की, बल्कि भारत के लिए एथलेटिक्स के इतिहास में भी एक नई उपलब्धि जोड़ दी।इस साल की शुरुआत में फेडरेशन कप के दौरान अनिमेष ने 20.40 सेकंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अब उन्होंने उस रिकॉर्ड को और बेहतर करते हुए नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। अनिमेष कुजूर भारत के लिए एशियन एथलेटिक्स

चैंपियनशिप के इतिहास में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में पदक जीतने वाले केवल दूसरे धावक बने हैं। इससे पहले धर्मबीर सिंह ने 2015 में इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीता था।

भारत अब तक जीत चुका है 19 मेडल

इस मेडल के साथ भारत ने इस चैंपियनशिप में अब तक कुल 19 पदक जीत लिए हैं, जिसमें 8 गोल्ड, 7 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। मेडल तालिका में भारत दूसरे स्थान पर है, जबकि चीन पहले स्थान पर काबिज है। अनिमेष कुजूर का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है, और उनकी इस सफलता ने देशवासियों को गर्व से भर दिया है।

सिनर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को मात्र 94 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इतालवी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 2024 यूएस ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के बाद अब ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अपनी लकीर को 17 तक पहुंचा दिया है। इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर ने बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल से ही कोई मौका दिया। सिनर ने शुरुआत में ही खेल में नियंत्रण हासिल कर लिया और 6-0, 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन लेहेका ने आखिरकार सर्विस को बनाए रखा। कुल मिलाकर, इतालवी खिलाड़ी ने लेहेका के 45 अंकों के मुकाबले 91 अंक जीते और उन्हें कभी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: पारुल चौधरी को 5000 मीटर में रजत, विथ्या-पूजा ने जीता कांस्य

एजेंसी

गुमी। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की तीन महिला एथलीटों ने पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। महिलाओं की 5000 मीटर रेस में भारत की पारुल चौधरी ने 15:15.33 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह रेस कजाकिस्तान की नोरा जेरुटो तनुई ने 14:58.71 सेकंड के समय के साथ जीती, जबकि जापान की युमा यामामोटो को 15:16.86 सेकंड के साथ कांस्य पदक मिला।तमिलनाडु की 26 वर्षीय विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 56.46 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की मो जियाडी ने स्वर्ण और बहरीन की ओलुवाकेमी मुजिदात अडेकोया ने रजत पदक हासिल किया। दिन के अंत में महिलाओं की 800 मीटर रेस में भारत की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2:01.89 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और कांस्य पदक अपने नाम किया।भारत का एशियन

एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अब तक का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है, और देश को आगे और पदकों की उम्मीद है।

इंडिया ए 557 रन पर ऑलआऊट, Tom Haines का शतक, इंग्लैंड लायंस 237-2

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली। करुण नायर ने शानदार दोहरा शतक (204 रन, 281 गेंद, 26 चौके, 1 छक्का) जड़कर भारत के लिए टेस्ट टीम में वापसी का मजबूत दावा पेश किया। इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में 557 रन बनाए। पहले दिन इंडिया ए ने 409/3 का स्कोर बनाया था, जिसमें नायर (186*) और ध्रुव जुरेल (82*) नाबाद रहे। सरफराज खान ने भी 92 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चूक गए। दूसरे दिन नायर ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए दोहरा शतक पूरा किया, जबकि जुरेल 94 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड लायंस की ओर से जोश हल ने 2/51 और एडी जैक ने 1/51 विकेट लिए। इंग्लैंड लायंस ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 235/2 रन बनाए, जिसमें टॉम हेन्स ने शानदार शतक (नाबाद 100) जड़ा। वह अभी भी क्रीज पर हैं, लेकिन इंडिया ए 322 रनों की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में है। इंडिया ए के गेंदबाजों में हर्ष दुबे और अंशुल

कंबोज ने एक-एक विकेट लिया। यह मैच इंडिया की इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले अहम अभ्यास माना जा रहा है, जो 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। नायर, सरफराज, और जुरेल जैसे खिलाड़ियों ने इस मौके का फायदा उठाकर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी मजबूत की है। यह मैच भारत में टेलीविजन पर प्रसारित नहीं हो रहा है, लेकिन इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्क) की वेबसाइट और ऐप पर लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध है।

दोनों टीमें

इंडिया एः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, इशान किशन, मानव सुथार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंसः जेम्स रीव (कप्तान), फरहान अहमद, रेहान अहमद, सोनी बेकर, जॉर्डन कॉक्स, रॉकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हेन्स, जॉर्ज हिल, जोश हल, एडी जैक, बेन मैककिनी, डैन मौस्ले, अजीत सिंह डेल, क्रिस वोक्स, मैक्स होल्डन।

बोट राइट के दौरान

प्रियंका चोपड़ा

संग रोमांटिक हुए निक, एकटक बीवी को प्यार से निहारते दिखे, तस्वीर हुई...

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा आज हॉलीवुड में भी खास पहचान बना चुकी हैं। प्रियंका ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। प्रियंका ने हॉलीवुड सिंगर निक जोनस से शादी की है। प्रियंका और निक की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं। निक और प्रियंका हमेशा ही कपल गोल्स सेट करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ते हैं। अक्सर ही इन दिनों की रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आती रहती हैं, जिन्हें इनके चाहने वाले काफी पसंद करते हैं। ऐसे में अब इन जोड़े की एक और रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस तस्वीर में निक अपनी वाइफ को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं।

प्रियंका को एकटक निहारते दिखे निक

दरअसल प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने मिस्टर हसबैंड निक जोनस संग रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों रोमांटिक बोट राइडिंग का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के बैकग्राउंड में समंदर का गहरा पानी और ऊंची बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं। लेकिन इस तस्वीर में अगर फैंस का ध्यान किसी चीज ने सबसे ज्यादा खींचा तो वो था निक का प्रियंका को प्यार से निहारना। बोट पर बैठकर जहां एक्ट्रेस इस खूबसूरत नजारे का आनंद उठा रही हैं। वहीं, निक एकटक प्रियंका को देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान प्रियंका हल्की सी मुस्कान के साथ कैमरे के सामने पोज देते हुए बेहद खूबसूरत लग रही है।

निक-प्रियंका की एक बेटी है

बता दें कि निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में धूमधाम से शादी की थी। दोनों ने क्रिश्चियन वेडिंग के साथ ही हिंदू रीति रिवाज से भी ग्रैंड शादी की थी। शादी के करीब तीन साल बाद, सरोगेसी के जरिए उन्होंने एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम कपल ने मालती रखा। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ वक्त बिताते और खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करती रहते हैं।

जल्द नजर आएंगी इन फिल्मों में

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही एसएस राजामौली के साथ काम करते नजर आएंगी। इसमें वो महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ देखेंगी। इसके अलावा प्रियंका जल्द ही इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी।

सलमान-कटरीना की 'महा बकवास' फिल्म, 20 करोड़ भी नहीं कमाए, मेकर्स ने उड़ाए थे 45 करोड़

सलमान खान और कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों कलाकारों ने साथ में आधा दर्जन फिल्में की हैं और इस जोड़ी को रुपहले पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला है. दोनों की कई फिल्मों ने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड ब्रेक किए और नए रिकॉर्ड भी बनाए. हालांकि सलमान और कटरीना की एक फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. यहां बात हो रही है साल 2008 में आई फिल्म 'युवराज' की. युवराज ने फैंस को इस कदर निराश किया कि ये पिक्चर अपने बजट का आधा भी नहीं कर्मा पाई थी और सलमान-कटरीना के करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बन गई.

45 करोड़ रुपये था बजट

सलमान खान और कटरीना कैफ की युवराज 17 साल पहले 21 नवंबर 2008 को रिलीज हुई थी. कई फैंस को तो दोनों की इस फिल्म का नाम तक पता नहीं होगा. फिल्म का हिस्सा अनिल कपूर और जायेद खान जैसे स्टार्स भी थे. इसका डायरेक्शन सुभाष घई ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. सुभाष घई ने इस फिल्म पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे.

सिर्फ 16 करोड़ हुई थी कमाई

युवराज में फैंस को न ही सलमान और कटरीना की जोड़ी पसंद आई और न ही इसकी कहानी. बॉक्स ऑफिस पर ये पिक्चर बुरी तरह पिट गई थी. टिकट खिड़की पर इसकी शुरुआत बेहद धीमी रही और ये अपनी पकड़ भी नहीं बना पाई. भारत में सिर्फ 2.72 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली युवराज ने इंडियन बॉस ऑफिस पर टोटल 16.67 करोड़ की कमाई की थी और बजट का आधा अभी नहीं वसूल पाई. वहीं वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा 28.82 करोड़ रुपये तक पहुंचा था. ऐसे में सलमान और कटरीना की ये पिक्चर डिजास्टर साबित हुई.

इन फिल्मों में भी सलमान-कटरीना ने शेयर की स्क्रीन

सलमान खान और कटरीना कैफ ने युवराज के अलावा 'मैंने प्यार क्यों किया', 'पार्टनर', 'टाइगर 3', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'भारत' जैसी फिल्मों में भी स्क्रीन शेयर की है. वैसे आपको बता दें कि रील लाइफ के अलावा दोनों रियल लाइफ केमिस्ट्री को लेकर भी चर्चा में रहे हैं. दोनों ने एक दूसरे को डेट किया था. हालांकि जल्द ही कटरीना और सलमान अलग हो गए थे.

कैसी एक्ट्रेस है, चुप नहीं रह सकती क्या? पहली मुलाकात में काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख खान

बॉलीवुड में बड़े पर्दे पर शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी काफी पसंद की गई है. दोनों कलाकारों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और दोनों की लगभग सभी फिल्में सफल रही हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख और काजोल की पहली मुलाकात कब और कैसे हुई थी? दोनों की पहली मुलाकात नोक झोक से भरी थी. जहां काजोल, शाहरुख को खड़ूस समझती थीं तो वहीं शाहरुख को काजोल का ज्यादा बोलना पसंद नहीं था. काजोल के ज्यादा बोलने के चलते शाहरुख उनसे चिढ़ गए थे और ये तक कह दिया था कि ये कैसी एक्ट्रेस है? चुप नहीं रह सकती क्या?

'बाजीगर' के दौरान पहली बार मिले

शाहरुख खान और काजोल ने पहली बार साथ में 1993 की फिल्म 'बाजीगर' में काम किया था. इसी फिल्म के सिलसिले में दोनों की पहली मुलाकात हुई थी. दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का जिक्र एबीपी न्यूज के साथ बातचीत में किया था. शाहरुख ने बताया था कि 1 जनवरी से बाजीगर की शूटिंग शुरू हुई थी और वो दोनों नए साल की पार्टी के बाद मिले थे. पार्टी के तुरंत बाद सब शूटिंग के लिए पहुंच गए थे.

काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख

बाजीगर के सेट पर काजोल बहुत ज्यादा तेज आवाज में बात कर रही थीं और ये चीज शाहरुख को बिलकुल पसंद नहीं आई. अभिनेता ने इसे लेकर काजोल से शिकायत भी की थी. शाहरुख ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने अपने मेकअप आर्टिस्ट से भी बोला था कि वो किस तरह की एक्ट्रेस है, क्या कुछ समय के लिए चुप नहीं रह सकती?'

काजोल को खड़ूस लगते थे शाहरुख

जहां शाहरुख, काजोल के ज्यादा और तेज आवाज में बोलने के चलते परेशान थे तो वहीं काजोल ने शाहरुख खान को खड़ूस समझा था. काजोल के मुताबिक पहली मुलाकात में उन्हें शाहरुख खास पसंद नहीं आए थे. पहली मुलाकात में शाहरुख से काजोल नाखुश थीं.

इन फिल्मों में साथ में किया काम

'बाजीगर' 1993 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. इसके बाद दोनों को 1995 की फिल्म 'करण अर्जुन' में देखा गया था. ये पिक्चर सुपरहिट निकली. हालांकि दोनों की जोड़ी को सबसे ज्यादा 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में पसंद किया गया. ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकस्तर रही. इनके अलावा दोनों ने 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माय नेम इज खान' और 'दिलवाले' में भी स्क्रीन शेयर की थी.

अरबाज खान से तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था?

मलाइका अरोड़ा

ने खुद सुनाई थी पूरी कहानी

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा कभी बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल में से एक थे. हालांकि दोनों ने करीब आठ साल पहले अपना रिश्ता खत्म करके फैंस को तगड़ा झटका दे दिया था. दोनों ने साल 2017 में अपनी 19 साल पुरानी शादी तलाक के साथ खत्म कर ली थी. अपने तलाक को लेकर मलाइका और अरबाज दोनों ही कई मौकों पर बात कर चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था? आइए आपको बताते हैं कि इसे लेकर खुद मलाइका ने क्या कुछ कहा था?

तलाक से पहले मलाइका को क्या सलाह मिली?

मलाइका अरोड़ा ने तलाक के बाद करीना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट वुमेन वांट' में खुलकर बात की थी. करीना ने मलाइका से पूछा था कि तलाक के दौरान उन्हें परिवार के लोगों और दोस्तों से क्या सलाह मिली थी? इसके जवाब में मलाइका ने कहा था, मुझे लगता है कि सबकी पहली राय यही थी कि मत करना, कोई नहीं कहेगा कि जाओ करो. तो पहली चीज जो थी कि मत करना, सोच समझकर करना.

तलाक के पहले वाली रात क्या हुआ था?

करीना कपूर के सामने मलाइका ने ये भी बताया था कि जिस दिन तलाक की अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई होनी थी उससे पहले वाली रात क्या हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा था, तलाक से ठीक पहले की रात पूरा परिवार मेरे साथ बैठा और एक बार फिर पूछा, 'क्या तुम श्योर हो. क्या तुम 100 फीसदी अपने फैसले पर टिकी हो? मैं ये लंबे समय से सुनती आ रही थी और मुझे लगता था कि ये वो लोग हैं, जो मेरी चिंता और परवाह करते हैं. इसलिए वो जरूर ये कहेंगे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज की पहली मुलाकात 1993 में एक शूट के दौरान हुई थी. इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था. करीब पांच साल की डेटिंग के बाद दोनों ने साल 1998 में शादी रचा ली थी. वहीं दोनों ने 2002 में बेटे अरहान खान का वेलकम किया था. लेकिन 2017 में तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली.

अरबाज ने फिर 2023 में शूरा खान से दूसरी शादी कर ली थी. जबकि मलाइका ने दूसरी बार घर नहीं बसाया.

कोयले के गलत खनन से संकट, झरिया के लिए मास्टर प्लान को मंजूरी

योजना पर 5,940 करोड़ 47 लाख रुपये का वित्तीय परिव्यय आएगा

नई दिल्ली/एजेंसी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने कोयले के गलत खनन से संकट का सामना कर रहे झरिया के पुनर्वास से जुड़े मास्टर प्लान में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है। संशोधित योजना पर कुल 5,940 करोड़ 47 लाख रुपये का वित्तीय परिव्यय आएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दी। झरिया कोयला क्षेत्र में कई परिवार आग, भू-धंसाव तथा अन्य समस्याओं से प्रभावित हैं। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के प्रस्तावों की राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना के चरणबद्ध कार्यान्वयन से आग तथा धंसाव से निपटने तथा प्राथमिकता पर प्रभावित परिवारों को अत्यंत विकट स्थलों से सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि कोयला कंपनियों के राष्ट्रीयकरण से बहुत पहले कई वर्षों तक अवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके खनन किया जाता था। इससे दशकों से पूरे झरिया क्षेत्र में भूमिगत आग जल रही है। इससे स्थानीय निवासियों को बहुत परेशानी हो रही है। आग की लपटें अक्सर जमीन से ऊपर उठती हैं और अक्सर जमीन में धंस जाती हैं। उन्होंने बताया कि संशोधित जेएमपी योजना में पुनर्वासित

परिवारों की स्थायी आजीविका के साधन सृजित करने पर जोर दिया गया है। पुनर्वासित परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए विशेष कौशल विकास और रोजगार परक उपाय किए जाएंगे। एक लाख रुपये का आजीविका अनुदान और वैध भू-स्वामित्व धारक (एलटीएच) परिवारों और अपंजीकृत भू-धारक (नॉन-एलटीएच) परिवारों- दोनों को तीन लाख रुपये तक संस्थागत ऋण सहायता दी जाएगी। इसके अलावा पुनर्वासित स्थलों पर सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, सीवरेज, स्कूल, अस्पताल, कौशल विकास केंद्र, सामुदायिक भवन जैसे व्यापक बुनियादी ढांचे और आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। संशोधित झरिया मास्टर प्लान कार्यान्वयन समिति की सिफारिशों के अनुसार इन प्रावधानों को लागू किया जाएगा। इससे समग्र और मानवीय पुनर्वास सुनिश्चित होगा। पुनर्वासित व्यक्तियों के आजीविका उपायों के लिए समर्पित झरिया वैकल्पिक आजीविका पुनर्वास कोष स्थापित किया जाएगा। इस क्षेत्र में संचालित बहु कौशल विकास संस्थानों के सहयोग से वहां कौशल प्रदान करने संबंधी विकास पहल भी की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को स्वीकृति

केन्द्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना को स्वीकृति दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के प्रस्तावों की राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी।

उनके अनुसार इस निवेश का मुख्य उद्देश्य आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन और मूल्य संवर्धन में सुधार करके खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री धामी ने पंजाब में चमोली के राजेश के उत्पीड़न के मामले का लिया संज्ञान

देहरादून/एजेंसी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के कौब गांव निवासी राजेश के पंजाब में उत्पीड़न के मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने मामले में जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी को युवक के परिजनों से संपर्क कर हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने पंजाब के तरनतारन जनपद के जिलाधिकारी से संपर्क कर राजेश की हर संभव मदद की बात कही है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि मामले जहां जिलाधिकारी तरनतारन ने राजेश की हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। जिलाधिकारी चमोली ने पंजाब के नवा शहर में निवास कर रही राजेश की बहन से भी संपर्क कर हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया है। साथ उन्होंने बताया कि मामले उत्पीड़न करने वाले तबेला संचालक के विरुद्ध तरनतारन थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है।

यह है मामला: बीती बुधवार को लंबे समय बाद राजेश का पंजाब की एक सामाजिक संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ बात करने का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें वह अपना घर चमोली के कौब बता रहा है। साथ ही उसने बताया कि वह सालों से तबेले में काम कर रहा है। जहां मालिक की ओर से उसका उत्पीड़न किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी के के निर्देश पर मामले का संज्ञान लेते हुई जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है।

बारिश के बाद फिर शुरू हुई केदारनाथ यात्रा

रुद्रप्रयाग/एजेंसी

बीते मंगलवार देररात्रि से तड़के तक हुई मूसलाधार बारिश के चलते बुधवार को केदारनाथ यात्रा बारिश रुकने तक रोकी गई। इस दौरान सोनप्रयाग में हजारों यात्री रोके गए, जिन्हें सुबह बारिश रुकने के बाद 9 बजे से धाम के लिए रवाना किया गया। गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों को जवानों की मौजूदगी में रास्ता पार कराया गया। बुधवार तड़के से तेज बारिश के बीच रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर सोनप्रयाग के समीप भूस्खलन जोन में पहाड़ी से पत्थर व मलबा गिर रहा था, जिस कारण यात्रियों को गौरीकुंड के लिए रवाना नहीं किया गया।

पुणे मेट्रो चरण-2 के लिए 3,626 करोड़ रुपये मंजूर किए

वनाज से चांदनी चौक और रामवाड़ी से विट्ठलवाड़ी तक विस्तार, 13 नए स्टेशन

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के लिए 3,626.24 करोड़ रुपये मंजूर किए। इस चरण के अंतर्गत दो नए एलिवेटेड कॉरिडोर वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी) बनाए जाएंगे। ये दोनों मार्ग मौजूदा वनाज-रामवाड़ी कॉरिडोर (फेज-1) का विस्तार होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत बनने वाले दोनों कॉरिडोर की कुल लंबाई 12.75 किलोमीटर होगी और इन पर कुल 13 स्टेशन बनाए जाएंगे। यह विस्तार पुणे के तेजी से विकसित हो रहे चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे उपनगरों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इस परियोजना को अगले चार वर्षों में पूरा करने

का लक्ष्य रखा गया है। इस लाइन के विस्तार के पूरा होने के बाद पुणे मेट्रो का कुल विस्तार 80 किमी के करीब हो जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3626.24 करोड़ रुपये है, जिसे केंद्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। परियोजना का क्रियान्वयन महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (महा-मेट्रो) द्वारा किया जाएगा, जो सिविल, इलेक्ट्रो-मेकैनिकल व अन्य कार्यों को अंजाम देगा। वैष्णव ने कहा कि फेज-2 का यह विस्तार पुणे की समग्र मोबिलिटी योजना (सीएमपी) के तहत चांदनी चौक से वाघोली तक सतत मेट्रो कॉरिडोर की परिकल्पना को साकार करता है। यह विस्तार न केवल प्रमुख आईटी हब, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और रिहायशी इलाकों को जोड़ेगा, बल्कि ज़िला न्यायालय स्टेशन पर लाइन-1 (निगड़ी-कात्रज) और लाइन-3 (हिंजवड़ीइंडिस्ट्रिक्ट कोर्ट) से भी इंटरचेंज सुविधा देगा, जिससे यात्री निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। वर्ष 2027 तक लाइन-2 पर प्रतिदिन अनुमानित अतिरिक्त सवारियों की संख्या 96,000 होगी, जो 2037 में 2.01 लाख, 2047 में 2.87 लाख और 2057 में 3.49 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि परियोजना के तहत चांदनी चौक से मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों की अंतरराज्यीय बस सेवाओं को, वहीं वाघोली से अहिल्या नगर और छत्रपति संभाजी नगर से आने वाली सेवाओं को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

इससे पौड रोड और नगर रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और पुणे को एक सुरक्षित, तेज और पर्यावरण अनुकूल परिवहन विकल्प मिलेगा।

खड़गे के बयान पर भाजपा का पलटवार, मोदी पर की गई टिप्पणी को निंदनीय बताया

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में की गई टिप्पणी को निंदनीय बताया है। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा कि "यह एक काला दिन है। आपातकाल लागू करना भारतीय लोकतंत्र पर सीधा हमला था। कांग्रेस पार्टी घबराई हुई है और मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी उस दौर के संघर्ष के बारे में अज्ञानता को दशार्ती है।" उन्होंने कहा कि चाहे

खड़गे हों या जयराम रमेश, उन्हें आपातकाल के दौरान झेले गए दर्द और पीड़ा का अंदाजा नहीं है। कांग्रेस नेता इस बात से अनजान हैं कि आम भारतीयों को किस तरह की पीड़ा से गुजरना पड़ा। लगभग 1.5 लाख लोगों को रातों-रात जेल में डाल दिया गया और बिना कैबिनेट के फैसले के आधी रात को आपातकाल लागू कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेसवार्ता में आपातकाल की 50 वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा।

एसबीआई ज्वालहेड़ी ब्रांच में रक्तदान शिविर का आयोजन, बड़ी संख्या में लोगों ने लिया भाग

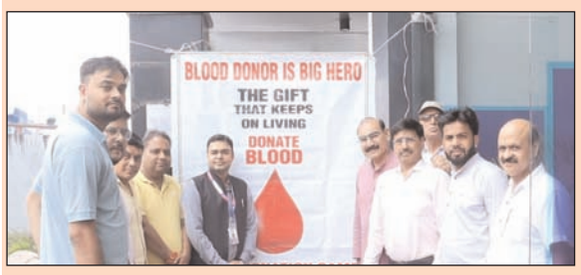

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के पश्चिम बिहार क्षेत्र स्थित शुभम इंकलेव की एसबीआई ज्वालहेड़ी शाखा में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन शाखा प्रबंधक जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में हुआ इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, जिनमें मुख्य अतिथि संजय भरद्वाज, मुकेश कुमार, हरीश शर्मा, नितिन शर्मा, और सुरेश यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन अतिथियों ने न केवल शिविर की सराहना की, बल्कि लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक भी किया। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंद मरीजों के लिए मानवीयता का परिचय दिया इस आयोजन में शाखा प्रबंधन के साथ-साथ कई सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई प्रतिनिधियों ने लोगों को रक्तदान के लाभ समझाते हुए कहा कि यह एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी की जान बचाई जा सकती है, साथ ही समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूती मिलती है।इस सफल आयोजन ने न केवल एक सकारात्मक संदेश दिया, बल्कि समाज में स्वास्थ्य और संवेदनशीलता की भावना को भी बढ़ावा दिया।

नवंबर 2025 में राजस्थान में होंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स : मनसुख मांडविया

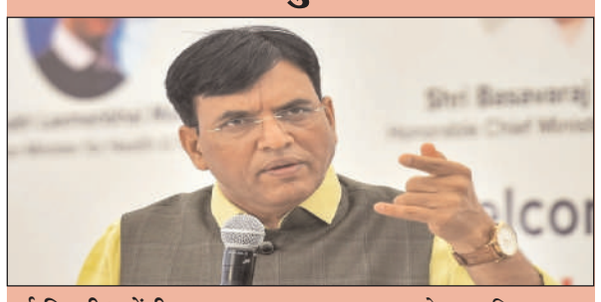

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को घोषणा की कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन इस वर्ष नवंबर में राजस्थान के जयपुर शहर में होगा। इस बहुप्रतीक्षित आयोजन की मेजबानी पूर्णिमा यूनिवर्सिटी और राजस्थान यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से करेंगी। यह खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का पांचवां संस्करण होगा, जिसकी शुरूआत फरवरी 2020 में हुई थी। इस बार प्रतियोगिता में देशभर की 200 से अधिक यूनिवर्सिटियों से 4,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता 25 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों के लिए होगी और इसमें कम से कम 20 खेलों को शामिल किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 नवंबर में राजस्थान में आयोजित किए जाएंगे। ये प्रतियोगिताएं उन खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर हैं जो राष्ट्रीय मंच पर अपना कौशल दिखाकर देशभर के टैलेंट स्काउट्स को प्रभावित करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर यूनिवर्सिटी खिलाड़ी बहु-खेल आयोजनों में अपना दबदबा रखते हैं और उम्मीद जताई कि राजस्थान में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

पिछले वर्ष के आंकड़े:

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 का आयोजन पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों झ असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैंड और त्रिपुरा झ में संयुक्त रूप से किया गया था। प्रतियोगिता में 4,500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 770 पदक (240 स्वर्ण, 240 रजत, 290 कांस्य) दांव पर लगे थे।

1. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने ओवरऑल चैंपियनशिप जीती थी। 2. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ॅ 42 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रही (20 स्वर्ण, 14 रजत, 8 कांस्य)। 3. गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ने 51 पदक (12 स्वर्ण, 20 रजत, 19 कांस्य) जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारतीय मजदूर संघ की 70वीं वर्षगांठ पर दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन, संघ प्रमुख होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय मजदूर संघ अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 23 जुलाई को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मुख्य अतिथि होंगे और देशभर से हजारों कार्यकर्ता भी इस समारोह में हिस्सा लेंगे। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय महामंत्री रवींद्र हिमते ने

बुधवार को दिल्ली के हरियाणा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। इस दौरान क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम और दिल्ली प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र चाहर भी मौजूद रहे। हिमते ने बताया कि इस 70 वर्ष की यात्रा का उद्घाटन कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया था और समापन दिल्ली में डॉ. भागवत की उपस्थिति में होगा। इसमें दिल्ली के करीब 110 संगठनों से 10,000 कार्यकर्ता शामिल होंगे। साथ ही केंद्र और राज्यों के मंत्रियों को भी इस आयोजन में आमंत्रित किया गया है।

देश में मानसून की रफ्तार तेज, अगले 7 दिनों तक कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली/एजेंसी

देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय है। यह अब राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 7 दिनों तक देश के उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। विशेष रूप से 25 जून की रात को ओडिशा और गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान गुजरात और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई।

पीयूष गोयल ने पीएलआई योजना पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक के दौरान पीएलआई योजना के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत पर जोर दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने यह विचार पीएलआई योजना की समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। केंद्रीय मंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि भारत को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनमें भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि देश का निर्यात बढ़ सके। यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में भारत को "आत्मनिर्भर" बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहलों में से एक है। गोयल ने पीएलआई योजना के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों को मात्रा पर ध्यान देने के बजाय गुणवत्तापूर्ण कुशल जनशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए और एनआईसीडीसी के साथ मिलकर बुनियादी ढांचे की बाधाओं को दूर करना चाहिए। उन्होंने निवेश और संवितरण दोनों पर अगले पांच वर्षों के लिए प्रारूप तैयार करने पर बल दिया। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों ने भाग लिया। गोयल ने प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और निर्यात प्रतिस्पर्धा की जरूरत पर बल दिया। केंद्रीय मंत्री ने कौशल पहलों में मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता पर भी बल दिया। मंत्रालय के मुताबिक पीएलआई योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। इस योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे मार्च 2025 तक 16.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन, बिक्री और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं। इसके अलावा पीएलआई योजनाओं के तहत 12 क्षेत्रों अर्थात व्यापक स्तर पर आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, लिए 21,534 करोड़ रुपये की संचयी प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397